RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः337, गुरुवार, 22 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर राष्ट्रगान व सांस्कृतिक टीमों की स्क्रीनिंग संपन्न 03

मकर संक्रांति पर पूर्व मंत्री के आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन 04

दो दीवाने सहर में का नया पोस्टर जारी मृणाल ठाकुर- सिद्धांत चतुर्वेदी... 07

राममंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

- 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया, लखनऊ मेदांता रेफर किए गए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉ. एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। तुरंत उन्हें लखनऊ मेदांता ले जाने को कहा।

जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया- महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन ने पहली नियुक्तियां कीं

- विनोद तावड़े को केरल चुनाव प्रभारी तो शोभा करंदलाजे को सह प्रभारी बनाया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने विनोद तावड़े को प्रभारी नियुक्त किया है। केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे सह-प्रभारी होंगी। केरल के अलावा तावड़े चंडीगढ़ मेयर चुनाव के पर्यवेक्षक भी होंगे।

यूपी विजन डॉक्यूमेंट तैयार, 98 लाख सुझाव आए

- योगी बोले-पंचायतों में भी 30 बैठक की होगी व्यवस्था

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सीएम योगी ने कहा- यूपी का विजन डॉक्यूमेंट बनकर तैयार है। 500 जनप्रतिनिधियों के साथ 500 इंटलेक्चुअल्स ने इसे मिलकर बनाया है। इन लोगों ने ग्रास रूट पर 75 जिलों का सर्वे किया। 98 लाख सुझाव आए और फिर इसे तैयार किया।

उन्होंने कहा- विधानसभा में सकारात्मक सोच से काम करेंगे तो परिणाम भी आएंगे। संवैधानिक संस्थाएं पारदर्शी और जवाबदेह बने और इसमें जनभागीदारी भी बढ़े। केवल संसद या विधानसभा को साल में 30 दिन नहीं चलना चाहिए बल्कि यह व्यवस्था पंचायतों में भी लागू होनी चाहिए।

अनूप जलोटा ने रहमान को दी सलाह

- बोले-अगर मुस्लिम होने की वजह से काम नहीं मिल रहा तो हिन्दू बन जाएं

मुंबई (एजेंसी)। म्यूजिक डायरेक्टर ए.आर. रहमान के काम न मिलने वाले बयान पर सिंगर अनूप जलोटा ने प्रतिक्रिया देते हुए रहमान को सलाह दी है कि अगर उन्हें मुस्लिम होने की वजह से काम नहीं मिल रहा है, तो वे वापस हिंदू बन जाएं।

7 दशक बाद फिर खोदी गई अश्वमेध यज्ञशाला की जमीन

देहरादून में पुरातत्व विभाग कर रहा चौथी वेदिका की तलाश

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून से लगभग 50 किलोमीटर दूर बाड़वाला स्थित जगतग्राम इन दिनों एक बार फिर इतिहास के पन्नों में लौट रहा है। करीब 7 दशक बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने यहां अश्वमेध यज्ञ से जुड़ी चौथी यज्ञशाला (वेदिका) की खोज के लिए उत्खनन शुरू किया है।

इससे पहले 1952 से 1954 के बीच हुए उत्खनन में तीन यज्ञ शालाएं मिल चुकी थीं, लेकिन चौथी की तलाश अब जाकर दोबारा शुरू हो सकी है। आर्कियोलॉजिस्ट विपुल मिश्रा के मुताबिक, मौजूदा उत्खनन का मकसद तीसरी शताब्दी ईस्वी में हुए अश्वमेध यज्ञ के दौरान निर्मित चौथी यज्ञशाला को ढूंढना है। चार यज्ञशालाओं में से तीन 1952-54 की खुदाई में मिल चुकी थीं। अब चौथी के लिए फिर से खुदाई की जा रही है।

10 से 14 फीट नीचे तक खुदाई, मिले ब्रिक्स और पॉट शेल्स- एक दिसंबर से शुरू हुए उत्खनन में अब तक करीब 10 से 14 फीट गहराई तक खुदाई हो चुकी है। इस दौरान टीम को प्राचीन ईंटें (ब्रिक्स), मृदभांड (पॉट शेल्स) और घड़े मिले हैं। विपुल मिश्रा के मुताबिक, मिली ईंटों का साइज और बनावट ठीक वैसी ही है जैसी 1952-54 की खुदाई में मिली थीं। इससे संकेत मिलता है कि ये उसी काल से जुड़ी हैं।

3 लोगों की दर्दनाक मौत...

- उदयपुर में यात्रियों से भरी जीप खाई में गिरी, 27 लोग थे सवार

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। आदिवासी अंचल कोटड़ा में सवारियों से भरी एक जीप अचानक बेकाबू होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, यह जीप बिलवन की ओर से कोटड़ा की तरफ जा रही थी। जैसे ही वाहन चढ़ाई वाले रास्ते पर पहुंचा, अचानक उसके ब्रेक फेल हो गए। ड्राइवर ने जीप को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन वजन ज्यादा होने के कारण वाहन पर उसका नियंत्रण नहीं रह सका।

ईरान नहीं सुधरा तो हम उसका नामोनिशान मिटा देंगे : ट्रंप

ट्रंप और खामेनेई में जुबानी जंग, युद्ध तय?

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान एक दूसरे को तबाह करने की धमकियां दे रहे हैं। जिससे आशंका बन गई है कि क्या एक विनाशकारी युद्ध आगे होने वाला है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर इस्लामिक देश ईरान उनकी हत्या करता है तो अमेरिका उसका नामोनिशान मिटा देगा। डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूजनेशन के केटी पावलिच टुनाइट पर एक इंटरव्यू में कहा कि मेरे पास बहुत सख्त निर्देश हैं, अगर कुछ भी होता है, तो वे उन्हें इस धरती से मिटा देंगे। इंटरनेशनल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के सशस्त्र बलों के प्रवक्ता जनरल अबोलफज़्ल शेकरची ने खतरनाक चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि ट्रंप जानते हैं कि अगर हमारे नेता की तरफ आक्रामकता का कोई हाथ बढ़ा, तो हम न सिर्फ उस हाथ को काट देंगे, बल्कि उनकी दुनिया में आग भी लगा देंगे।

सुखना झील को कितना सुखाओगे?

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ की झील को लेकर जताई चिंता

अरावली पर विशेषज्ञ समिति का गठन का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ की मशहूर सुखना झील के सूखने पर चिंता जताई है। हरियाणा सरकार को पिछली गलतियों को न दोहराने की चेतावनी देते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अधिकारियों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत के कारण सुखना झील पूरी तरह से खराब हो चुकी है। बेंच में सीजेआई सूर्यकांत के अलावा जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी अरावली पहाड़ियों के मामले पर सुनवाई करते हुए की।

सुखना झील का लगातार गिर रहा जलस्तर

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य के अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत से बिल्डर माफिया काम कर रहा है। आप सुखना झील को कितना सुखाओगे? आपने झील को तो पूरी तरह से खराब कर दिया है। दरअसल, बारिश के पानी पर निर्भर सुखना झील कभी चंडीगढ़ का प्रमुख पर्यटन केंद्र हुआ करती थी, लेकिन बीते वर्षों में लगातार गिरते जलस्तर ने इसकी सुंदरता और अस्तित्व दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अरावली पर विशेषज्ञ समिति के गठन का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। बेंच ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था।

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश

तालाब में गिरा

शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, 2 पायलट को बचाया, माघ मेला से 3 किमी दूर हादसा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

उन्होंने बताया, दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।

हादसा बुधवार दोपहर 12 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है।

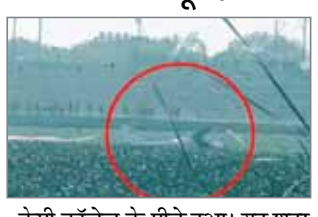

एयरफोर्स ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए

पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया- आईएएफ का माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया। उसे सुरक्षित रूप से सुनसान इलाके में उतारा गया, जिससे आम लोगों की जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद की चेतावनी- नोटिस वापस लें

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बीच शुरू हुआ विवाद अब शंकराचार्य की पदवी तक पहुंच गया है। अविमुक्तेश्वरानंद ने 24 घंटे में मेला प्रशासन को 8

पेजों का जवाब ई-मेल के जरिए भेजा है। नोटिस को मनमाना, दुर्भावनापूर्ण और असंवैधानिक बताया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है, जिससे अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य पद पर बने रहने से रोका गया हो। मामला कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए किसी भी तीसरे पक्ष को टिप्पणी करने या रोक लगाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने प्रशासन को नोटिस वापस लेने की चेतावनी भी दी है। कहा है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो कोर्ट में मानहानि का दावा करेंगे।

हरियाणा-उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को राहुल गांधी की ट्रेनिंग

- कुरुक्षेत्र में इनके परिवारों से भी मिले; सीनियर लीडर्स को एंट्री नहीं, अलग कमरे में बैठे

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी (21 जनवरी) हरियाणा दौरे पर थे। सुबह 10:20 बजे अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर उनका प्लेन लैंड हुआ था, जहां कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद राहुल गांधी सड़क मार्ग से कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां वे पंजाबी धर्मशाला में चल रहे 'संगठन सृजन अभियान' के ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने सबसे पहले हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस जिला अध्यक्षों के परिवारों से मुलाकात की। अब राहुल जिला अध्यक्षों को बंद हॉल में ट्रेनिंग दे रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के अलावा किसी नेता को नहीं जाने दिया गया। नेता अलग कमरे में बैठे हैं। धर्मशाला में राव नरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा, सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला समेत विधायक और सांसद भी मौजूद थे।

जिला अध्यक्ष की बेटी बोली- छात्रों की बातें रखी- राहुल गांधी से मुलाकात के बाद चरखी दादरी से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुशील धानक की बेटी जसबीर बॉक्सर ने कहा- मैंने राहुल गांधी से मुलाकात की।

संभल हिंसा

मास्टरमाइंड फरार गैंगस्टर का घर कुर्क

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा के मास्टरमाइंड और कुख्यात फरार गैंगस्टर शारिक उर्फ साठा पर पुलिस का एक्शन जारी है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस उसके घर की कुर्की कर रही है। सुबह 11 बजे से ही 5 थानों नक्खाशा, रायसत्ती, संभल कोतवाली, हयातनगर और एएचटीयू के 100 से अधिक

पुलिसवाले साठा के घर पहुंचे।

नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला हिंदूपुरा खेड़ा पजाया में स्थित घर के आसपास पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस प्रशासन पहले इलाके में डुगडुगी बजाकर एक्शन के बारे में अनाउंस किया। फिर साठा के घर पर एक्शन शुरू किया।

राजस्थान में कोहरे में 4 गाड़ियां टकराईं, 10 घायल

बिहार में 5 ट्रेनें लेट, उत्तराखंड में चीन बॉर्डर के पास नदियां जमीं

नई दिल्ली/लखनऊ/जयपुर/देहरादून (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसके बाद और गाड़ियां बस से टकरा गईं। हादसे में 10 लोग घायल हो गए।

बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा रहा। सुबह विजिबिलिटी कम होने से 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं।

मध्य प्रदेश में 23 और 24 जनवरी को ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। उधर, यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं। उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं। आदि कैलाश (पिथौरागढ़) और केदारनाथ धाम में तापमान -21 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर गरज-चमक और तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) भी चल सकती हैं।

मध्यप्रदेश में 23 और 24 जनवरी को बारिश का अलर्ट है। ऐसा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से होगा। ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में असर रहेगा। बिहार के गोपालगंज-बगहा में घना कोहरा था। 5 से ज्यादा ट्रेनें लेटथी, जनवरी लास्ट में फिर बढ़ेगी ठंड। यूपी में आज से 5 दिन बारिश, फिर ठंड बढ़ेगी,कोहरे से लखनऊ में 8 फ्लाइट्स लेट थी। वहीं छत्तीसगढ़ में सर्दी से राहत, न्यूनतम तापमान 14 डिग्री; सीजन के अंतिम पड़ाव में पहुंची ठंड।

दिल्ली में सुनीता विलियम्स बोलीं-

भारत आना घर वापसी जैसा

- चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले।

संक्षिप्त समाचार

पवन सिंह युवक को मारने के लिए बढ़े

पटना। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह एक पार्टी के दौरान अचानक गुस्से में आ गए। वे स्टेज से युवक मारने के लिए आगे बढ़ने लगे। वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान फैन्स बोलते रहे कि, भइया को रोक लो नहीं तो वो उसे पीट देंगे। इसी बीच पार्टी में मौजूद बाउंसर्स ने उस युवक को पकड़ लिया और खींचकर बाहर किया। इस दौरान युवक के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। उनके साथ भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह, मिस्ट्री गर्ल जिनसे हाल में उनकी शादी की चर्चा हो रही थी वो भी मौजूद थीं।

पूरा मामला: पवन सिंह 20 जनवरी को लखनऊ में भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह की बर्थ-डे पार्टी में शामिल हुए थे। इसमें एक्ट्रेस महिमा सिंह भी मौजूद थीं। मंच से पवन सिंह गीत गा रहे थे। इसी बीच युवक ने कुछ कमेंट किया। इस पर पवन सिंह को गुस्सा आ गया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पवन सिंह कहते दिख रहे हैं कि, मैं आज कुछ अच्छा सुनने के मूड में हूं। तभी भीड़ से कोई कुछ कहता है। इस पर पवन सिंह माइक लिए आगे बढ़ने लगते हैं। उनके आसपास खड़े लोग पवन सिंह को रोकते हैं। पीछे से आवाज आती है, भइया को रोके नहीं तो वो मार देंगे। इतने देर में कुछ लोग पवन सिंह को घेर लेते हैं। गुंजन सिंह भी स्टेज से नीचे आते हैं और पवन सिंह को समझाकर वापस ले जाते हैं। इस दौरान पीछे से आवाज आती है, सब लोग कैमरा बंद कर लो। इसके बाद बाउंसर्स एक युवक को घेर लेते हैं।

पुलिस पर पथराव, फायरिंग का वीडियो वायरल, छापेमारी के दौरान भीड़ भड़की

हाजीपुर। वैशाली के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में देसी शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर स्थानीय लोगों ने पथराव कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। घटना सोमवार रात की है। वहीं, इस घटना का वीडियो मंगलवार रात से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें थानाध्यक्ष को गोली चलाते हुए देखा जा सकता है। यह घटना पहाड़पुर पश्चिमी वार्ड में रात करीब 8 बजे हुई। सहायक उपनिरीक्षक (एसआई) धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल नवल राय के घर पहुंचा था। पुलिस को घर से कोई शराब नहीं मिली। हालांकि, आरोप है कि पुलिस ने सोनू कुमार और बिजली राय नामक दो युवकों को जबरन वाहन में बैठाया, जिसके बाद स्थानीय लोग भड़क गए। लगभग 30-35 लोगों की भीड़ ने पुलिस वाहन के सामने ठेला लगाकर रास्ता रोक दिया और पुलिसकर्मियों पर ईंट-पत्थर फेंके। इस हमले में कई पुलिसकर्मी और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) के जवान घायल हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में, थानाध्यक्ष एसआई धीरेंद्र कुमार ने अपनी 9 मिमी पिस्तौल से हवाई फायरिंग की। इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें थानाध्यक्ष को फायरिंग करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त की है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि छापेमारी में शराब न मिलने के बावजूद पुलिस ने उनके साथ गाली-गलौज की और हथियार दिखाकर धमकाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष नशे की हालत में थे।

पुलिस ने इस मामले में आठ नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) दर्ज की है। नामजद आरोपियों में नवल राय, रामा राय, सन्त्री, विक्रम राय, ओम प्रकाश राय, मुकेश राय, नवल राय की पत्नी और माया कुमारी शामिल हैं। पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा है कि हवाई फायरिंग और बल प्रयोग केवल अपने कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब कारोबार को लेकर छापेमारी हुई थी। जहां एक शराब कारोबारी को पुलिस द्वारा पकड़ा गया था। पकड़ने के उपरांत वहां के लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा के लिए हवाई फायरिंग की। इसके बाद पुलिस के पक्ष से प्राथमिक दर्ज की गई है, दर्ज प्राथमिकी में 19 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। एक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि एक पुलिसकर्मी चोटिल हुए थे जो फिलहाल ठीक है।

बुजुर्ग दंपति की गंडक नदी में डूबने से मौत, पुलिस ने की पहचान, महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

हाजीपुर। हाजीपुर में गंडक नदी में डूबने से बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। मंगलवार शाम हुई इस घटना में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने दोनों शवों की पहचान कर ली है।यह घटना मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे कोनहारा श्मशान घाट स्थित दियारा के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक महिला और एक पुरुष गंडक नदी में डूबते हुए देखे गए। 'बचाओ-बचाओ' की आवाज सुनकर रेत पर काम कर रहे मजदूर मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। नगर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों, मछुआरों और वहां मौजूद अन्य लोगों की मदद से दोनों को नदी से बाहर निकाला। पुरुष की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि महिला की सांसें चल रही थीं। महिला को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान गरौल थाना क्षेत्र के साधोपुर जीवन गांव निवासी 70 वर्षीय अर्जुन पंडित और उनकी 65 वर्षीय पत्नी शैली देवी के रूप में हुई है। मृतक के छोटे बेटे मुकेश कुमार ने बताया कि उनके माता-पिता गंगा स्नान के लिए घर से निकले थे। मुकेश कुमार के अनुसार, देर शाम तक जब वे घर नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू की गई। रात करीब 10 बजे उन्हें सूचना मिली कि कोनहारा घाट पर गंडक नदी में पैर फिसलने से उनके माता-पिता की डूबने से मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है।

वैशाली में भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा शुरू, जिलाधिकारी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हाजीपुर। वैशाली में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग के देखरेख में भूकंप सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। यह पखवाड़ा 20 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक चलेगा। जिला समाहरणालय परिसर से जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया। यह अभियान 20 जनवरी से 03 फरवरी तक जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और नगर निकाय क्षेत्रों में चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य भूकंप के प्रति संवेदनशील इस जिले के नागरिकों को आपदा से बचाव और सुरक्षा उपायों की जानकारी देना है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस पखवाड़े के माध्यम से आम जनता तक पहुंचकर उन्हें प्रशिक्षित करना आवश्यक है। इसका लक्ष्य आपदा के समय जान-माल की क्षति को न्यूनतम करना और एक सशक्त आपदा-प्रतिरोधी समाज का निर्माण करना है। जागरूकता अभियान के तहत, एक एलइडी स्क्रीन से सुसज्जित रथ जिले के विभिन्न इलाकों में भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से भूकंप से बचाव संबंधी लघु फिल्में और दृश्य संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 'कला कुंज' समूह के कलाकार नुक्कड़ नाटक और गीतों के जरिए भी लोगों को जागरूक करेंगे। जिला प्रशासन ने प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भूकंप सुरक्षा से जुड़े पोस्टर और बैनर भी लगाए हैं, जिन पर भूकंप के दौरान क्या करें और क्या न करें, इसकी सचित्र जानकारी दी गई है। इस शुभारंभ कार्यक्रम में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्री राम दुलार राम, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री आकाश कुमार सहित जिला प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नीट छात्रा केस, राजद महिला प्रकोष्ठ ने किया प्रदर्शन

कहा-महिलाओं पर अत्याचार हो रहे, क्या यही सुशासन

एजेंसी, पटना

बिहार में महिलाओं के खिलाफ लगातार हो रही हृदयविदारक घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने आज सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। राजद महिला कार्यकर्ताओं ने राजधानी पटना में इनकम टैक्स गोलंबर से एक विशाल आक्रोश मार्च निकाला। यह मार्च दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला नेताओं और कार्यकर्ता शामिल हुए। राजद नेताओं का आरोप है कि पूरे बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार इसे रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। हैरानी की बात यह है कि राजधानी पटना में भी महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।

महिला कार्यकर्ता बोलीं- महिलाओं पर अत्याचार हो रहे, क्या यही है सुशासन: राजद की महिला प्रकोष्ठ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार की नाक के नीचे महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है और आम महिलाओं में भय का माहौल बनता जा रहा है। महिला कार्यकर्ताओं का कहना है कि, प्रशासन ठोस कार्रवाई करने के बजाय केवल

औपचारिकता निभा रहा है, जबकि सत्ताधारी दल इस गंभीर मुद्दे पर संवेदनहीन रवैया अपनाए हुए है।

सुशासन राज में 4 साल की बच्चियां भी सुरक्षित नहीं- महिला कार्यकर्ता: राजद महिला प्रकोष्ठ की कार्यकर्ता मीरा यादव ने कहा, यह प्रोटेस्ट इसीलिए हो रहा है कि यहां जुल्मी सरकार है, और कब तक जुल्मी व्यवस्था चलेगा। जिस तरह से चोरी करके अपने सरकार बनाकर सुशासन राज कह रही है। जिस तरह से आज देश में हत्याएं हो रही है, लूट हो रही है, बलात्कार हो रहा है, छोटी-छोटी 4 साल की बच्चियां सुरक्षित नहीं है तो ऐसा मंगलराज में हम लोगों को न्याय मंगाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जो मंगलराज की बात करता था, आज किस तरह से हमारे इज्जत प्रतिष्ठा को शर्मसार करने का काम कर रहे हैं। जो जंगलराज की संज्ञा देता था, उसके राज्य में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। - मीरा यादव, महिला कार्यकर्ता, राजद

बिलकिस बानो के हत्यारों को लड्डू खिला रही सरकार- महिला कार्यकर्ता: हमारे राज में फूलनदेवी जैसी महिला को जेल से निकालकर सदन तक पहुंचाया जा रहा था और आज बिलकिस बानो के हत्यारा को लड्डू खिलाया जाता है। माला पहनाया जाता है और गुंडई करने वाले, बलात्कार करने वालों को पोस्ट मिलता है और सही बात बोलने वाला को जेल भेजा जा रहा है।

राजद हमेशा महिलाओं के मान-सम्मान के लिए लड़ती: राष्ट्रीय जनता दल ने दोहराया कि पार्टी हमेशा से महिलाओं के मान-सम्मान और सुरक्षा के लिए संघर्ष करती रही है। महिला राजद ने हर दौर में अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की है और आगे भी चुप नहीं बैठेगी। पार्टी का कहना है कि जब तक महिलाओं को सुरक्षित वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। आज होने वाले आक्रोश मार्च में महिला राजद की सभी जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। मार्च के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

करनाल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र शिवम का राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में चयन

एजेंसी, पटना

- चिकित्सीय परीक्षण पूर्ण करने के पश्चात वे शीघ्र ही राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होंगे
- विद्यालय के चेयरमैन कर्नल अरुण दत्ता ने शिवम को दी बधाई

करनाल इंटरनेशनल स्कूल को यह बताते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि विद्यालय के छात्र शिवम का चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) के लिए हो गया है। शिवम को 156वें NDA कोर्स, खड़कवासला के लिए SSB बेंगलुरु द्वारा अनुशंसित किया गया है। चिकित्सीय परीक्षण पूर्ण करने के पश्चात वे शीघ्र ही राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होंगे। शिवम ने अपनी तैयारी करनाल इंटरनेशनल स्कूल के NDA विंग से की, जहाँ उन्हें UPSC परीक्षा तथा SSB साक्षात्कार दोनों के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह उत्कृष्ट उपलब्धि शिवम की कड़ी मेहनत, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाती है।

शिवम की इस सफलता से उनके परिवार, विद्यालय तथा करनाल इंटरनेशनल स्कूल के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ में हर्ष और गर्व का वातावरण है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन कर्नल अरुण दत्ता ने शिवम को बधाई देते हुए उनकी लगन और निष्ठा की सराहना की। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा देने में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

जेनेसिस क्लासेज के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जितेंद्र अहलावत तथा विद्यालय निदेशक श्री प्रकाश जोशी ने भी शिवम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को ऊँचे लक्ष्य निर्धारित करने और सम्मान के साथ राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगी। करनाल इंटरनेशनल स्कूल का प्रबंधन, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ शिवम के उज्ज्वल और सफल सैन्य भविष्य की कामना करते हैं।

पटना में 2 हॉस्टल छात्रों में गोलीबारी, बमबाजी

एजेंसी, पटना

पटना के कृष्ण घाट पर मंगलवार देर रात दो हॉस्टल के छात्रों के बीच गोलीबारी और बमबारी हुई। यह घटना लड़की से छेड़छाड़ के विवाद को लेकर हुई, जिसमें दो छात्र घायल हो गए। पुलिस ने मौके से कारतूस और बम के सुतली बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्ण घाट पर जंक्शन हॉस्टल और सीवी रमन हॉस्टल के छात्रों के बीच लड़की से छेड़छाड़ को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि एक हॉस्टल के छात्रों ने दूसरे पर बम से हमला कर दिया। इस दौरान गोलीबारी भी की गई।

घटना की सूचना मिलते ही पीरबहोर और सुल्तानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और बम के कुछ साक्ष्य एकत्रित किए हैं। सुलतानगंज थाना के सब इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई है। पुलिस ने एफएसएल टीम के माध्यम से मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, खासकर आगामी सरस्वती पूजा को देखते हुए छात्रों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

पटना में सिलबट्टे से कूचकर पत्नी की हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में बुधवार को पति ने सिलबट्टे से कूचकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के मछली गली की है। बताया गया कि पत्नी साईं शोभा यात्रा में शामिल हुई थी, जिससे पति बेहद नाराज था। इस बात को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इस लिए पति ने हत्या कर दी है। फिलहाल महिला की बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए IGIMS भेजा गया है। मृतक की पहचान प्रति कुमारी (19) के रूप में हुई है। उसकी साल 2024 में मसौढ़ी के अनतपुर के रहने वाले विजेंद्र कुमार से शादी हुई थी। चाची लखपति देवी ने बताया कि भतीजे अमन का छेका था। इसलिए विजेंद्र कुमार भी 4 रोज पहले ससुराल आया था। घर में मांगलिक कार्यक्रमों की तैयारी चल रही थी।

शोभा यात्रा में डांस करने पर आक्रोश: इसी बीच कल शाम में साईं शोभा यात्रा निकली। जिसमें प्रीति भी महिलाओं के साथ डांस करने चली गई। यहीं बात विजेंद्र को नागवार गुजरी। दोनों के बीच कहासुनी हुई। रात के समय खाना खाने के बाद सब सोने चले

गए। रात में सिलबट्टे से मारकर गहने वगैरह पत्नी की लेकर फरार हो गया। रात में ही शोर शराब सुनकर हमलोग कमरे में गए तब तक बेटी दम तोड़ चुकी थी।

एक महीने की बेटी है: प्रति कुमारी को एक माह पहले ही बेटी हुई थी। बेटी होने से भी विजेंद्र नाराज था। प्रति की मां उर्मिला देवी ने बताया कि दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहा था। रुपए की डिमांड कर रहा था। हमलोग आश्वास भी दे रहे थे। एक महीने पहले इसकी बेटी हुई थी।

बेटी होने पर हॉस्पिटल से भाग गया था पति: जब अस्पताल में मेरी बच्ची एडमिट हुई थी, उस वक्त भी मेरा दामाद बोल रहा था, बेटी होगी तो नहीं रखूंगा। यहां तक कि जब डिलीवरी होने वाली थी, तो अस्पताल में मेरी बेटी को छोड़कर फरार हो गया था। सारे खर्च हमलोग ने उठाए थे। मृतिका की मां उर्मिला देवी पटना नगर निगम में स्वीपर का काम करती हैं।

- साईं शोभा यात्रा में डांस करने पर पति था नाराज, मर्डर के बाद पत्नी के गहने लेकर फरार

होली में साले के साथ हुई थी लड़ाई: अमन ने बताया कि पिछले साल होली में भी जीजा ने मेरे साथ विवाद किया था। मुझे मार पीटकर भाग गया था। उसका नेचर पहले से खराब था। SDPO सचिवालय 2 साकेत कुमार ने बताया कि पति पत्नी के दौरान विवाद हुआ था। इसी में पति ने पत्नी को सिलबट्टे से मार दिया। इसके बाद इलाज के लिए ले जाया गया। इलाज के दौरान मौत हो गई है। छानबीन जारी है। दंपती का घर जहानाबाद में है। फोरेंसिक टीम ने सिलबट्टे को जप्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार अभी हाल में ही महिला का ऑपरेशन से बच्चा हुआ था, डेढ़ महीने का बच्चा है।

उमानाथ मंदिर में जेसीबी पर रील बना रहा युवक, श्रद्धालुओं ने जताया विरोध

एजेंसी, पटना

बाढ़ अनुमंडल के ऐतिहासिक उमानाथ मंदिर में जेसीबी मशीन के बकेट पर चढ़कर रील बनाते युवकों का वीडियो सामने आया है। मंदिर परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान हुई इस घटना पर श्रद्धालुओं ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे आस्था का अपमान बताया है। जानकारी के अनुसार, उमानाथ मंदिर में करोड़ों रुपए की लागत से कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बाढ़ नगर परिषद की जेसीबी मशीन मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने के कार्य में लगी हुई थी। इसी दौरान कुछ युवक रील बनाने के उद्देश्य से जेसीबी के बकेट पर चढ़ गए। जेसीबी चालक ने युवकों को बार-बार नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन वे डांस स्टेप करते रहे। काफी देर तक जेसीबी चालक मलबा हटाने का काम छोड़कर उनका तमाशा देखता रहा। स्थानीय लोगों के समझाने के बाद ही युवक जेसीबी से नीचे उतरे।

श्रद्धालुओं ने नाराजगी दिखाई: इस

घटना को लेकर मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में इस तरह की गतिविधियों को आस्था का अपमान बताया है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे तत्वों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनी रहे। मंदिर के पुजारी ने इस कृत्य को गलत बताते हुए कहा, "मंदिर परिसर में इस तरह का कार्य आस्था के साथ खिलवाड़ है। लोगों को मंदिर में श्रद्धा भाव से आना चाहिए। किसी भी प्रकार की ऐसी घटना से धार्मिक संस्थान की बदनामी होती है।"

- कहा- बकेट पर चढ़कर नाचना खतरनाक, दुर्घटना हो सकती

जेसीबी पर चढ़कर रील बनाना खतरनाक: सनातनी चंदन नामक एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि जेसीबी पर चढ़कर रील बनाना खतरनाक हो सकता है और किसी दुर्घटना की स्थिति में प्रशासन तथा ठेकेदार पर सवाल उठेंगे। संजय कुमार ने भी रील बनाने के चक्कर में होने वाली दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मंदिर आस्था का केंद्र है और यहां ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए। विडियो मंगलवार शाम का है। इस मामले में उमानाथ मंदिर परिसर में जेसीबी के बकेट पर चढ़कर रील बनाया जा रहा है, इसका हिन्दू संगठन विरोध कर रहे हैं। इस दौरान किसी प्रकार की घटना होने पर धार्मिक संस्थान की बदनामी होती है, पुलिस को शिकायत नही की गई है।

'नीट छात्रा से हुए अपराध को दबाने की कोशिश शर्मनाक'

एजेंसी, पटना

मनरेगा के नाम में बदलाव को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा का नाम बदलकर महात्मा गांधी की विरासत को मिटाने की कोशिश कर रही है। यह कदम गांधी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उनके इस बयान पर JJD के नेता तेज प्रताप यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि गांधी जी के नाम और सम्मान की चिंता करने वालों को पहले अपने आचरण पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "गांधी जी अहिंसा के प्रतीक थे, बुलेट पर नहीं चलते थे। आज जो लोग खुद बुलेट पर चलते हैं, जींस-शर्ट पहनते हैं, उन्हें गांधी जी के नाम की इतनी फिक्र क्यों हो रही है? गांधी जी खादी पहनते थे।" तेज प्रताप यादव ने आगे कहा कि, 'सिर्फ नाम में 'गांधी' जोड़ लेने से कोई गांधीवादी नहीं बन जाता। "खाली नाम लगाने से कुछ नहीं होता, बाबा नहीं बन जाइएगा"। इसी दौरान तेज प्रताप यादव ने नीट की तैयारी कर रही छात्रा के कथित रेप मामले को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में उन्होंने पीड़िता के परिवार से बातचीत की है। पूरे केस को दबाने की कोशिश की गई है। तेज प्रताप यादव के अनुसार, सत्ता में बैठे कुछ प्रभावशाली नेताओं के बेटे इस मामले में कथित रूप से शामिल हैं और पैसे के दम पर सच्चाई को दबाया गया है।

बिहार की सभी बंद चीनी मिलें होंगी चालू: उपमुख्यमंत्री

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि राज्य की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जाएगा। साथ ही बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है, ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि अब बिहार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली के साथ-साथ उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राज्य में बिछ रहा उद्योगों का जाल, युवाओं को मिलेगा यहीं रोजगार: सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार मिले। इसके लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है और बिहार में देश की सबसे बेहतर औद्योगिक

- बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है, ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े

नीति लागू की गई है। बिहार में उद्योग लगाने के लिए सरकार मात्र एक रुपए में जमीन उपलब्ध करा रही है और 15 दिनों के भीतर लोन स्वीकृत किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि अब बिहार में सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक फैक्ट्रियां भी लग रही हैं।

मुख्यमंत्री की यात्राओं से पड़ी विकास की मजबूत नींव: उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यात्राओं के लिए जाने जाते हैं। न्याय यात्रा, प्रगति यात्रा और समृद्धि यात्रा के माध्यम से उन्होंने जनता से सीधा संवाद स्थापित कर बिहार

के विकास की मजबूत नींव रखी है। इन यात्राओं के दौरान जनता की जरूरतों को समझते हुए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसे बुनियादी क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं।

- सम्राट चौधरी बोले- एक रुपये में जमीन, 15 दिन में लोन बिहार में लग रहीं सेमीकंडक्टर फैक्ट्रियां

घर-घर पहुंची बिजली, 1.70 करोड़ परिवारों का बिल हुआ शून्य: उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में घर-घर बिजली पहुंचाने का सपना साकार हुआ है। एक समय था जब बिहार के शहरों में भी मुश्किल से पांच घंटे बिजली मिलती थी, लेकिन आज गांवों में भी 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में राज्य के करीब एक करोड़ 90 लाख परिवारों को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिससे लगभग एक करोड़ 70 लाख परिवारों का बिजली बिल शून्य हो गया है।

गली-गली तक बनी सड़कें, जल्द बनेगा छपरा एयरपोर्ट: उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सड़कों का अभूतपूर्व विकास हुआ है। गांव-गांव ही नहीं, बल्कि गली-गली तक सड़कों का निर्माण कराया गया है। जल्द ही छपरा में एयरपोर्ट का निर्माण कराया जाएगा, जिससे सारण और आसपास के जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और व्यापार तथा पर्यटन को नई गति मिलेगी।

युवाओं के लिए कौशल विकास, 5 साल में मिले 50 लाख रोजगार: युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार ने युवा कौशल विकास विभाग का गठन किया है। बिहार के युवाओं को कौशल युक्त बनाया जा रहा है ताकि वे नए उद्योगों में बेहतर अवसर पा सकें। पिछले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख सरकारी नौकरी और रोजगार दिए गए हैं, जबकि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में जल संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं विशेष व्याख्यान

बीएनएम @ मोतिहारी : महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी द्वारा भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित जल संचय जन भागीदारी (JSJB) अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के संयुक्त तत्वावधान में 22 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर "जल संचयः जनभागीदारी की दिशा में एक पहल" विषय पर अंतर-विभागीय पोस्टर प्रतियोगिता तथा "जल संचय जन भागीदारी : नीति, शोध और युवा सहभागिता से सतत विकास की ओर" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न संकायों के विद्यार्थी जल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर रचनात्मक प्रस्तुतियाँ देंगे। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि जल संरक्षण एक गंभीर राष्ट्रीय एवं वैश्विक चुनौती है, जिसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। एनएसएस समन्वयक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि जल संकट आज सामाजिक और मानवीय अस्तित्व से जुड़ा विषय बन चुका है, जिस पर युवाओं को जागरूक करना समय की आवश्यकता है। जल संचय जन भागीदारी (JSJB) अभियान के नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. नरेंद्र सिंह ने कहा कि जनभागीदारी से ही जल संरक्षण को एक प्रभावी और सतत जन-आंदोलन का रूप दिया जा सकता है। कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित श्रेष्ठ पोस्टरों को सम्मानित किया जाएगा तथा उन्हें विश्वविद्यालय एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की है।

वाहन जांच के दौरान मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के झरोखर थाना क्षेत्र में वाहन जांच के क्रम में पुलिस ने एक मोटरसाइकिल चोर को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रोहित प्रसाद पटेल, पिता राम सोगारथ राउत, निवासी शिवनगर, थाना गौर (नेपाल) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में कांटी थाना, जिला मुजफ्फरपुर में कांड संख्या 162/24 दर्ज है। पुलिस ने बाइक को जब्त कर अभियुक्त को हिरासत में ले लिया है।

हत्या के प्रयास मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हत्या के प्रयास से जुड़े मामलों में पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पिपरा थाना कांड संख्या 325/20 में प्राथमिकी अभियुक्त रौशन सिंह, पिता उमाशंकर सिंह, निवासी खैरी जमुनिया, थाना पिपरा, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। वहीं पिपरा थाना कांड संख्या 468/25 में प्राथमिकी अभियुक्त रोहित राज, पिता देवीलाल सहनी, निवासी खैरी जमुनिया, थाना पिपरा, जिला पूर्वी चंपारण को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों मामलों में अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0' को लेकर प्रचार वाहनों को दिखाई गई हरी झंडी

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण के तत्वावधान में 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0' कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं व्यापक जन- जागरूकता के उद्देश्य से बुधवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास द्वारा चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मध्यस्थता को न्यायिक प्रक्रिया का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से आपसी सहमति के आधार पर विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है, जिससे न्यायालयों पर बोझ भी कम होता है और समाज में आपसी सद्भाव बना रहता है। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने भी लोगों को संबोधित किया। उन्होंने मध्यस्थता प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लाभों पर प्रकाश डाला तथा आम नागरिकों से अपील की कि वे छोटे- बड़े विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकुंद कुमार, ऋचा भार्गव, सूर्यकान्त तिवारी, ब्रजेश कुमार, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी परसेंजीत सिंह, श्वेता सिंह सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी एवं न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे। प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आम नागरिकों को 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0' कार्यक्रम की जानकारी देंगे तथा लोगों को मध्यस्थता के माध्यम से विवाद समाधान के लिए प्रेरित करेंगे।

आर्म्स एक्ट मामले में त्वरित विचारण, दो अभियुक्तों को तीन वर्ष का कठोर कारावास

बीएनएम @ मोतिहारी

आर्म्स एक्ट से जुड़े एक महत्वपूर्ण आपराधिक मामले में न्यायालय ने त्वरित विचारण करते हुए दोषसिद्धि का आदेश पारित किया है। मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत सशक्त साक्ष्य, गवाहों के बयान और समर्पित चार्जशीट के आधार पर माननीय न्यायालय ने कानून के अनुसार सख्त फैसला सुनाया, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ है। इस मामले की सुनवाई प्रेशेंजित कुमार सिंह, एसीजेएम-1, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की अदालत में हुई। डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 71/2019, धारा 25(1-b) a/26/35 आर्म्स एक्ट (टीआर संख्या-1104/24) के तहत दर्ज इस प्रकरण में नामजद अभियुक्त राकेश कुमार, पिता स्व. नगीना राय, निवासी मकरी महुआवा, थाना पिपराकोठी तथा महंथ राम रतन दास, पिता गुरु स्व. रामकिशोर दास, निवासी रामपुर खजुरिया टोला, रामपुरवा, थाना डुमरियाघाट—दोनों जिला पूर्वी चंपारण—को दोषी ठहराया गया। न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही प्रत्येक पर 10,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय के आदेशानुसार यदि अर्थदंड की राशि अदा नहीं की जाती है, तो अभियुक्तों को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अवैध हथियारों से संबंधित अपराध समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई आवश्यक है। पुलिस की प्रभावी अनुसंधान प्रक्रिया, समयबद्ध विवेचना और सशक्त न्यायालयीन पैरवी के कारण इस प्रकरण में शीघ्र न्याय संभव हो सका।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर डीएम ने गांधी मैदान का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त के साथ मोतिहारी स्थित गांधी मैदान का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। गांधी मैदान में जिला प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाना है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी को पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संख्या में हैंडपंप लगाने एवं अस्थायी शौचालयों के निर्माण का निर्देश दिया। इस क्रम में जिलाधिकारी ने गांधी मैदान में लगाए गए जिम एवं खेलकूद से संबंधित उपकरणों का भी निरीक्षण किया और उनकी स्थिति की जानकारी ली। साथ ही मैदान में खेल रहे बच्चों से संवाद कर उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आयोजन सुव्यवस्थित और गरिमामय तरीके से संपन्न हो सके।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर राष्ट्रगान व सांस्कृतिक टीमों की स्क्रीनिंग संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला प्रशासन के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस समारोह–2026 के अवसर पर प्रस्तुत किए जाने वाले राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन बुधवार को स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम शहर के महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। स्क्रीनिंग में विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों व संस्थानों के प्रतिभागियों ने राष्ट्रगान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल द्वारा सभी विधाओं के प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर चयन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत और पारंपरिक लोकशैली से जुड़े कई आकर्षक एवं मनोहारी कलात्मक प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। निर्णायक मंडल में मुंशी सिंह कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार, वरीय संस्कृतिकर्मी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, संजय पांडेय, गुलरेज शहजाद एवं अभय अनंत शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान समग्र शिक्षा के मीडिया प्रभारी शकील अहमद सहित अन्य पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विदित हो कि राष्ट्रगान के लिए चयनित टीमें आज गांधी मैदान, समाहरणालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय, जिला परिषद, गांधी संग्रहालय एवं नगर निगम कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर अपनी प्रस्तुति देंगी। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए चयनित टीमें गणतंत्र दिवस के अवसर पर संध्या में महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में रंगारंग प्रस्तुतियां देंगी।

राँची विश्वविद्यालय में फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के तहत बी.आर.ए.बी.यू के प्राध्यापकों का व्याख्यान

बीएनएम @ मोतिहारी

यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राँची विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक - 5 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक आयोजित 26वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत दिनांक 20 जनवरी 2026 को विभिन्न अकादमिक सत्रों का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाइयों के तीन प्राध्यापकों को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. गौरव भारती ने 'शहरीकरण और पर्यावरणीय चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान देते हुए शहरी विस्तार, पर्यावरणीय संकट और सतत विकास की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से शहरी जीवनशैली और पर्यावरण के बीच संतुलन की महत्ता को रेखांकित किया। वहीं एल.एन.डी. महाविद्यालय, मोतिहारी के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रवि रंजन सिंह ने 'पर्यावरण शिक्षा और जन-भागीदारी' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण तभी संभव है जब शिक्षा के माध्यम से समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वहीं एम.एस.एस.जी. महाविद्यालय, अरेराज के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. धीरेन्द्र कुमार ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं का संवर्धन' तथा 'उच्च शिक्षा एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में भारतीय भाषाओं और परंपरागत ज्ञान की भूमिका को रेखांकित किया। सभी व्याख्यान अत्यंत सारगर्भित एवं विचारोत्तेजक रहे, जिनकी प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से सहभागियों ने विषयों पर संवाद किया। आयोजकों ने रिसोर्स पर्सन्स के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता जताई।

नितिन नवीन को अंतरराष्ट्रीय लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अनोखे अंदाज में दी बधाई

बीएनएम @ मोतिहारी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना पदभार संभालने के बाद देशभर में बधाइयों का सिलसिला जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह सहित कई दिग्गज नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इसी कड़ी में भारत के चर्चित इंटरनेशनल लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने नितिन नबीन की नए पद पर नियुक्ति की खुशी में 3 घंटों के कठिन परिश्रम के बाद केवल 3 सेमी लंबे पीपल के हरे पत्तों पर उनकी शानदार तस्वीर बनाकर बेहद ही रचनात्मक अंदाज में बधाई पेश की है। इस अनोखे कला रूप ने सोशल मीडिया पर सुर्खियाँ बटोरी हैं और मधुरेंद्र के इस समर्पण को राजनीतिक और कला प्रेमियों ने खूब सराहा है। इंटरनेशनल लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने करीब 3 घंटे की कड़ी मेहनत से मात्र 3 सेंटीमीटर आकार के पीपल के पत्ते पर यह कलाकृति तैयार की है। यह बारीक और दुर्लभ कला लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मधुरेंद्र कुमार की यह अनूठी कलाकृति सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग उनकी कला की जमकर सराहना कर रहे हैं। कला के माध्यम से दी गई यह बधाई स्थानीय ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गई है।

बैंक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आम जनता के लिए नोट एवं सिक्का विनिमय मेले का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला में कार्यरत बैंक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आम नागरिकों द्वारा प्रस्तुत कटे-फटे तथा गंदे नोटों के बदले जाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। साथ ही, बैंक नोटों की सुरक्षा विशेषताओं तथा असली-नकली नोटों की पहचान पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य बैंकों द्वारा आम जनता को आसानी एवं त्वरित रूप से कटे-फटे तथा गंदे नोटों के बदले जाने की सुविधा उपलब्ध कराना तथा नकली नोटों के प्रसार की रोकथाम किया जाना है। इसके अतिरिक्त, आम जनता की सुविधा एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए कचहरी चौक दुर्गा मंदिर कैम्पस, मोतिहारी में नोट एवं सिक्का एक्सचेंज मेले का भी आयोजन किया गया। इन मेलों के माध्यम से जनता को सरलता से गंदे/कटे-फटे नोटों एवं सिक्कों के बदले जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गयी। इस दौरान जनता को यह जानकारी दी गयी की गंदे/कटे-फटे नोटों एवं सिक्कों के बदले जाने की सुविधा हर बैंक शाखा में, बिना बैंक खाते के भी, समान रूप से उपलब्ध है, जिसका वे लाभ उठा सकते हैं। इस दौरान आम नागरिकों के बीच नोट तथा सिक्का विनिमय सुविधा से संबन्धित नॉलेज कार्ड भी वितरित किए गए। इन कार्यक्रमों ने बैंक कर्मियों तथा आम जनता को कटे-फटे तथा गंदे नोटों के बदले जाने की प्रक्रिया समझाने, नकली नोटों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्वी चंपारण को चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के लिए यह गर्व और सम्मान का विषय है कि जिले को चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में बेहतरीन चुनाव प्रबंधन के बाद अब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भी जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण को प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान चुनाव संचालन में प्रभावी प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था तथा चुनाव प्रक्रिया में किए गए नवाचारों के लिए दिया जा रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान देशभर के जिलों में से पूर्वी चंपारण को बेहतर चुनाव प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उसी क्रम में इस वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिले को पुनः यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर दिया जाने वाला यह पुरस्कार भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, चुनाव सुधारों, तकनीकी प्रगति एवं चुनाव प्रबंधन में नवीन प्रयोगों को दर्शाता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस राष्ट्रीय, राज्य, जिला, निर्वाचन क्षेत्र तथा मतदान केंद्र स्तर पर मनाया जाता है, जिससे यह देश के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आयोजनों में से एक बन जाता है। इस उपलब्धि के पीछे जिला प्रशासन के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की कड़ी मेहनत, निष्ठा और समर्पण के साथ-साथ जिले के नागरिकों का सहयोग भी अहम रहा है। यह सम्मान सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। लगातार दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होना पूर्वी चंपारण के साथ-साथ पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है और यह जिले की सुदृढ़ चुनाव व्यवस्था तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सरस्वती पूजा मनाने की अपील — जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

सरस्वती पूजा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त आदेश जारी किया गया है। आदेश में सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पूजा के दौरान संपूर्ण जिले में विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सुदृढ़ रखा जाए। इस वर्ष सरस्वती पूजा 23 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी, जबकि प्रतिमा विसर्जन 24 जनवरी 2026 एवं उसके बाद की तिथियों में किए जाने की सूचना है। सरस्वती पूजा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजित की जाती है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बसंत महोत्सव का भी आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होती है। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन, सुगम यातायात एवं सुदृढ़ विधि-व्यवस्था प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले के संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर वहां दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की विशेष प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी एवं पुलिसकर्मी अपने-अपने स्थल पर समय से उपस्थित रहकर गतिविधियों पर पैनी नजर रखेंगे। किसी भी प्रकार की अफवाह या गड़बड़ी की आशंका होने पर तत्काल वरीय पदाधिकारी को सूचना देने का निर्देश दिया गया है। थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित कर पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने को कहा गया है। इसमें मूर्ति स्थापना हेतु लाइसेंस लेना, लाउडस्पीकर अधिनियम का पालन, अग्नि-सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना, विवादित स्थलों एवं मार्गों से जुलूस नहीं निकालना तथा निर्धारित तिथि व मार्ग से ही विसर्जन करना शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन पर रोक लगाई गई है। जिला एवं अनुमंडल स्तर पर क्विक रिस्पांस टीम गठित की गई है। बाइक पेट्रोलिंग, महिला सुरक्षा बल एवं सादे लिवास में पुलिस की तैनाती भी की जाएगी। पूरे जिले में कुल 691 स्थलों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06252-242418 जारी किया गया है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से शांति, सद्भाव और उल्लास के साथ सरस्वती पूजा मनाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

एनएच किनारे युवती का शव बरामद, हत्या की आशंका

बीएनएम @ तुरकौलिया। सेमरा एनएच के पटखौलीय गांव के समीप पुलिस ने एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया है। शव के गले पर जख्म के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया जाता है कि पटखौलीय गांव के समीप गैस एजेंसी जाने वाली सड़क पर एक युवती का शव पड़ा हुआ था। ग्रामीणों की सूचना पर थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन शव की पहचान को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। घटना की सूचना पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम भी मौके पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार आशंका है कि युवती की हत्या कहीं और कर शव को यहां लाकर फेंका गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पहचान के लिए शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही युवती की पहचान के लिए आसपास के थानों से भी संपर्क किया जा रहा है। इस मामले में एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। उन्होंने बताया कि युवती के गले पर चोट के स्पष्ट निशान मिले हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बीएनएम @ रामगढ़वा। बुधवार की देर संध्या एनएच-28ए पर डॉन पब्लिक स्कूल के समीप सुगौली की ओर से आ रहे एक कंटेनर और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सुगौली थाना क्षेत्र के देवदतवा गांव निवासी बूढ़ा यादव (45 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जाता है कि बाइक पर दो लोग सवार थे, जिनमें से एक व्यक्ति दुर्घटना में सुरक्षित बच गया।

पुलिस ने की कार्रवाई-घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजीव साह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को जब्त कर लिया है, जिसका पंजीकरण संख्या एनएल-01-एसी-5713 है। मामले की जांच की जा रही है।

ईख मूल्य भुगतान में हरिनगर मिल अव्वल, मझौलिया सबसे पीछेः डीएम

बीएनएम @ बेतिया : बेतिया समाहरणालय में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में पेराई सत्र 2025-26 को लेकर चीनी मिलों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों को गन्ने का समय पर भुगतान, पारदर्शी खरीद और मिल परिसरों में सुविधाएं सुनिश्चित करना था। भुगतान की समीक्षा के दौरान पाया गया कि हरिनगर चीनी मिल 99.80% के साथ सबसे आगे है, जबकि मझौलिया चीनी मिल का भुगतान स्तर सबसे कम (68.61%) रहा। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए मझौलिया मिल प्रबंधन को अविलंब बकाया राशि चुकाने का कड़ा निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट आदेश दिया कि सट्टा नीति के तहत गन्ने की आपूर्ति में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और किसी भी स्तर पर घटतौली (कम वजन) बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मिल परिसरों में किसानों के लिए पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय और कड़ाके की ठंड को देखते हुए अलाव की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सभी मिलों में 24 घंटे हेल्प डेस्क संचालित करने को कहा गया है।बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और विभिन्न चीनी मिलों के प्रतिनिधियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। जिलाधिकारी ने सभी को आपसी समन्वय के साथ इस पेराई सत्र को सुचारू और किसान-हितैषी बनाने पर जोर दिया, ताकि किसानों को किसी भी भेदभाव या असुविधा का सामना न करना पड़े।

बच्चों और गर्भवती महिलाओं का हुआ टीकाकरण

बीएनएम @योगापट्टीः प्रखंड क्षेत्र की बलुआ भवानीपुर पंचायत (वार्ड संख्या 7) स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 68 पर मंगलवार को विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान एएनएम सुजाता सिन्हा द्वारा छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को विभिन्न बीमारियों से बचाव हेतु टीके लगाए गए।एएनएम सुजाता सिन्हा ने उपस्थित महिलाओं को परामर्श देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए संतुलित आहार और ठंड से बचाव अनिवार्य है। उन्होंने नियमित अंतराल पर भोजन करने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी, ताकि गैस जैसी समस्याओं से बचा जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया जा सकता है।इस मौके पर सेविका निशा देवी, आशा रमिता देवी, जानकी देवी, प्रतिमा देवी और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए जागरूक किया गया।

ठंड के चलते अब 9 बजे के बाद ही खुलेंगे स्कूल : डीएम

बीएनएम @ पटना। पटना में कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूलों की समय-सारिणी में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी इस आदेश के अनुसार, जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में सुबह 9:00 बजे से पहले शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन पर रोक लगा दी गई है। यह प्रतिबंध 21 जनवरी से 24 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा।यह आदेश प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों और निजी कोचिंग संस्थानों पर भी समान रूप से लागू होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गिरते तापमान के बीच सुबह-सुबह बच्चों का घर से निकलना उनके स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। सभी स्कूल प्रबंधनों को समय में संशोधन करने और आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भविष्य में इस प्रतिबंध को और बढ़ाया जा सकता है।

मोतिहारी में जिला स्तरीय टीएलएम मेला संपन्न, घोड़ासहन के रामनिवास कुमार प्रथम

बीएनएम @ घोड़ासाहन @ विक्की विजेंद्र

एम.जे.के. महाविद्यालय, मोतिहारी में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय TLM (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) मेला, PBL (प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग) एवं क्विज प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। जिले के सभी 27 प्रखंडों से प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने अपनी नवाचारी शिक्षण सामग्री का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी ने किया।मेले में बच्चों की समझ को सरल, रोचक एवं प्रभावी बनाने वाली शिक्षण विधियों पर खास जोर दिया गया। शिक्षकों ने स्वयं तैयार TLM के माध्यम से गणित, विज्ञान, भाषा आदि विषयों को खेल-खेल में सिखाने के अनोखे तरीके पेश किए। आकर्षक स्टॉल्स पर मॉडल, चार्ट, डिजिटल टूल्स व हैंड्स-ऑन एक्टिविटीज ने दर्शकों को प्रभावित किया। बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षक-सह-मेंटरों ने इनकी खूब सराहना की।निर्णायक मंडल ने कड़े मूल्यांकन के बाद घोड़ासहन प्रखंड के एन.पी.एस. जोड़ापाकड़, बगही भेलवा के प्रधान शिक्षक रामनिवास कुमार को प्रथम पुरस्कार से नवाजा। उन्हें राज्य स्तरीय TLM प्रदर्शनी में भाग लेने का सुनहरा अवसर भी मिला। बनकट प्रखंड (मोतिहारी) को द्वितीय तथा पिपराकोठी प्रखंड को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अखिल वैभव ने विजेताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी ने कहा, "TLM मेला शिक्षण को बच्चों की समझ के अनुरूप सरल बनाता है। इससे शिक्षकों की सृजनात्मक क्षमता बढ़ती है और शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आता है।" निर्णायक मंडल में डायट दरियापुर की व्याख्यता, जिला शिक्षा विभाग के पदाधिकारी शामिल रहे। पुरस्कार मिलने पर घोड़ासहन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुधन प्रसाद ने हर्ष जताया। उन्होंने रामनिवास कुमार को बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि प्रखंड का नाम रौशन करने वाली है। इस आयोजन ने पूर्वी चंपारण जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सरस्वती पूजा को लेकर पुलिस सख्त, भारी मात्रा में डीजे जब्त

बीएनएम @ सुगौली

सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में डीजे जब्त कर थाने लाया है। पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के दिशा-निर्देश के आलोक में सरस्वती पूजा के दौरान डीजे बजाने, अश्लील गीतों के प्रसारण, बिना लाइसेंस प्रतिमा स्थापित करने तथा बिना अनुमति जुलूस निकालने पर सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया गया है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को होने वाली सरस्वती पूजा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। उन्होंने कहा कि थाने में आयोजित शांति समिति की बैठक में थाना क्षेत्र के सभी पूजा समितियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, ताकि पूजा का आयोजन शांति और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हो सके।

मकर संक्रांति पर पूर्व मंत्री के आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन

बीएनएम @ तुरकौलिया

मकर संक्रांति के अवसर पर पूर्व मंत्री सह हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान के रघुनाथपुर स्थित आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोक गायकों ने पारंपरिक लोक गीतों की प्रस्तुति देकर आगत अतिथियों का भरपूर मनोरंजन किया। गायकों ने अपनी कला से ऐसा समां बांधा कि पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनडीए के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, लोजपा के सचेतक सह गोविंदगंज विधायक राजू तिवारी, केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा, सुगौली विधायक बबलू गुप्ता, चिरैया विधायक लालबाबू गुप्ता, जदयू नेता सह पूर्व मुखिया विनय कुमार सिंह, भाजपा के वरीय नेता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, ई. राकेश गुप्ता, ओलाहा मेहता टोला के पैक्स अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, शंभू प्रसाद, महामंत्री राहुल तिवारी, अभिषेक ठाकुर, पूर्व मुखिया विषंभर तिवारी, मुन्ना ठाकुर, बबलू गुप्ता, मुकुल श्रीवास्तव सहित अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी आगत अतिथियों का स्वागत पूर्व मंत्री कृष्णनंदन पासवान एवं ई. कुंदन पासवान ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ने कहा कि ऐसे पारंपरिक आयोजनों से सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारा बढ़ता है। भोज में हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र सहित विभिन्न प्रखंडों से आए कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

लखौरा हत्या कांड का 48 घंटे में सफल उद्भेदन, चार गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

लखौरा थाना क्षेत्र में हुए हत्या कांड का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक उद्भेदन किया और चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। 19 जनवरी 2026 को लखौरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम गोला-पकड़िया स्थित सरकारी स्कूल के प्रांगण में एक व्यक्ति को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी व्यक्ति सुमन कुमार उर्फ विक्की (पिता राजेश यादव, निवासी कटगेनवा, थाना महुआवा) को अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना में हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। सहायक पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तेज कार्रवाई करते हुए तकनीकी अनुसंधान और सूचना संकलन के आधार पर तीन अभियुक्तों को घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। इनके बयान के आधार पर एक अन्य अभियुक्त को पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक सुमन कुमार का पहले से लखौरा, मुफस्सिल, महुआवा और मोतिहारी थाना क्षेत्रों में लूट, आर्म्स एक्ट और चोरी जैसे कई आपराधिक मामले में इतिहास रहा है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि मृतक और गिरफ्तार अभियुक्तों के बीच पुरानी रंजिश थी, जिसके चलते हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। अभियुक्तों की पहचान नौशद आलम, सागिन कुमार, राजकपूर कुमार और सतीश कुमार के रूप में हुई है। छापामारी दल में सहायक पुलिस अधीक्षक हेमंत सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश कुमार पांडेय, लखौरा थाना के प्रवीण कुमार पासवान और अंकित कुमार सहित जिला सूचना इकाई की टीम शामिल थी।

अरेराज पहुंचे डीएम सौरभ जोरवाल; अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

» 'शांति भंग करने वालों से भरवाएं बॉण्ड, फाइलों में न करें देरी'

बीएनएम @ अरेराज

पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने अरेराज अनुमंडल मुख्यालय पहुँचकर प्रशासनिक कामकाज की जमीनी हकीकत जानी। अनुमंडल पदाधिकारी के कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस और सिविल अधिकारियों को तालमेल बिठाकर काम करने की नसीहत दी। उन्होंने विशेष रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को टास्क दिया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 107 के तहत आने वाले मामलों में बिना देरी किए बॉण्ड भरवाने की प्रक्रिया पूरी करें। आगामी बसंत पंचमी मेले को देखते हुए जिलाधिकारी का रुख श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर काफी सख्त दिखा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अरेराज की पावन धरती पर दूर-दराज से आने वाले कांवड़ियों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए और पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा के चाक -चौबंद इंतजाम रहने चाहिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने डीसीएलआर कार्यालय की कार्यशैली को भी परखा और वहां फाइलों के रखरखाव व अदालती मामलों के निष्पादन की स्थिति संतोषजनक न होने पर कर्मियों को कार्यप्रणाली सुधारने की चेतावनी दी। अरेराज दौरे के दौरान जिलाधिकारी का एक संवेदनशील चेहरा भी देखने को मिला, जब उन्होंने कार्यालय परिसर में अपनी समस्याओं को लेकर आए आम लोगों को पास बुलाकर उनसे बातचीत की। जनता की शिकायतों को सुनने के बाद उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को कड़ी हिदायत दी कि आम जनमानस के कार्यों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक और निरीक्षण के दौरान अनुमंडल स्तर के तमाम बड़े अधिकारी मौजूद रहे, जिन्हें जिलाधिकारी ने जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया।

स्थानीय जांच पर भरोसा नहीं, सीबीआई करे पर्दाफाश : तेज प्रताप

वाराणसी में बिहार की बेटी की 'संदिग्ध मौत' पर घिरी सरकार

बीएनएम @ पटना

वाराणसी के एक गर्ल्स हॉस्टल में बिहार की नाबालिग छात्रा स्नेहा सिंह कुशवाहा की संदिग्ध मौत का मामला एक बार फिर तूल पकड़ चुका है। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने इस संवेदनशील मुद्दे पर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश व बिहार के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर CBI जांच की मांग की है। तेज प्रताप ने इसे न केवल प्रशासनिक विफलता बताया है, बल्कि बेटियों की सुरक्षा पर एक गंभीर सवाल खड़ा किया है। उनका आरोप है कि स्थानीय स्तर पर हुई जांच अब तक बेनतीजा रही है, जिससे जांच की निष्पक्षता पर संदेह गहरा गया है।बिहार के रोहतास (सासाराम) की रहने वाली 17 वर्षीय स्नेहा की मौत 1 फरवरी 2025 को वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। परिजनों का आरोप है कि स्नेहा के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी निर्मम हत्या की गई और मामले को आत्महत्या दिखाने की कोशिश की गई। हाल ही में मृतका के माता-पिता ने तेज प्रताप यादव से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई, जिसके बाद उन्होंने इस मामले को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का निर्णय लिया। तेज प्रताप ने जोर देकर कहा है कि घटना को एक साल बीत जाने के बाद भी दोषियों की गिरफ्तारी न होना दुर्भाग्यपूर्ण है और केवल CBI जांच ही इस साजिश की सच्चाई सामने ला सकती है। अब देखना यह है कि राजनीतिक दबाव और परिजनों के लंबे इंतजार के बाद सरकारें इस पर क्या कदम उठाती हैं।

हनुमाननगर में कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

जिले के गायघाट प्रखंड अंतर्गत हनुमाननगर ग्राम समाज की ओर से बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा में गांव की कुंवारी कन्याओं एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। डीजे, ढोल-नगाड़ों और जयकारों की गूंज के बीच निकली कलश यात्रा पूरे गांव का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पर पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ यात्रा का समापन हुआ। इस दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। कलश यात्रा के पश्चात श्रीमद्भागवत कथा का आरंभ हुआ। कथा के पहले दिन कथावाचक राम बलराम दास जी ने भगवान विष्णु के 24 अवतारों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना के लिए किसी न किसी रूप में अवतार लेते हैं। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया।

बेतिया नगर पुलिस की शानदार सफलताः 138 किलो गांजा तस्करी का भंडाफोड़, तीन तस्कर धराए

बीएनएम @ बेतिया

मादक पदार्थों के खिलाफ बेतिया पुलिस की मुहिम तेज हो चुकी है। लगातार उपलब्धियां हासिल कर रही सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और बेतिया नगर इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक और बड़ी सफलता दर्ज हुई है। 18 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना पर छापेमारी कर पुलिस ने 138.261 किलोग्राम गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई नशे के सौदागरों को जड़ से उखाड़ फेंकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।पश्चिम चंपारण के बेतिया में अपराध नियंत्रण के प्रति पुलिस की सतर्कता सराहनीय है। पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश पर सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विवेक दीप के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित किया गया। सूचना थी कि जीएमसीएच पार्किंग में उजले रंग की मारुति सुजुकी बलेनो कार (BR-01CS-4363) में दो संदिग्ध भारी मात्रा में गांजा बेचने की फिराक में हैं। टीम ने जीएमसीएच अस्पताल रोड पर रमना मैदान के पास वाहन को घेर लिया। तलाशी में कार से 138.261 किलोग्राम गांजा, दो एंड्रॉयड मोबाइल और एक कीपैड मोबाइल बरामद हुए।मौके पर दो तस्कर पकड़े गए, जबकि जांच में तीसरा आरोपी भी फंस गया। गिरफ्तार अभियुक्त निहाल कुमार सिंह (पिताः ओमप्रकाश सिंह), यशवंत कुमार (पिताः विजय पासवान) और अभिराज कुमार (पिताः संतोष कुमार सिंह) सभी कुमारबाग थाना क्षेत्र के निवासी हैं। तस्करी में इस्तेमाल वाहन को जब्त कर लिया गया। इस ऑपरेशन में बेतिया नगर थाना के सह थानाध्यक्ष मनोज कुमार, अपर थानाध्यक्ष नितीन कुमार समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहे।बेतिया नगर पुलिस की यह उपलब्धि इलाके में नशे के खिलाफ जंग को मजबूत बनाती है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी विवेक दीप ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी रोकने के लिए गुप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। नगर इंस्पेक्टर और टीम की मेहनत से अपराधी सलाखों के पीछे पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस के प्रयासों की सराहना की है। यह घटना बेतिया को नशामुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। बेतिया पुलिस की लगातार सफलताएं इलाके में कानून-व्यवस्था मजबूत करने का संदेश दे रही हैं। आने वाले दिनों में ऐसी कार्रवाइयों से अपराध पर लगाम लगेगी।

भारतीय छात्रों को एक और झटका

जिन देशों में पहले भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? भारतीय छात्र जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। फिर भी उनकी एंट्री क्यों कठिन होती गई है। विदेश जाकर पढ़ने की हसरत रखने वाले भारतीय छात्रों को एक और झटका लगा है। इस बार खबर ऑस्ट्रेलिया से आई है, जहां भारतीय छात्रों की वीजा अर्जी को उच्चतम जोखिम श्रेणी में डाल दिया गया है। इस फैसले के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उसी श्रेणी में रख दिया है, जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल पहले से हैं। उन्होंने इसका कारण बताया है- भारतीय छात्रों की 'विश्वसनीयता संबंधीÓ बढ़ा जोखिम। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में फर्जी डिग्री संबंधी घोटालों के हुए खुलासों की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खूब चर्चा हुई। अब उसका नतीजा सामने आया है। इसके पहले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा और ब्रिटेन जाना भी कठिन हुआ है। पिछले वर्ष कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए जारी होने वाले वीजा में 31 प्रतिशत कटौती की। साथ ही जीवन यापन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के लिए वीजा एवं ई-वीजा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही अब सिर्फ पीएचडी और रिसर्च छात्र ही अपने जीवनसाथी या बच्चों को ब्रिटेन ले जा सकेंगे। वीजा पाने के लिए आमदनी का पहले से अधिक बड़ा स्रोत उन्हें दिखाना होगा। अमेरिका में तमाम विदेशी छात्रों के लिए हालात जिस तरह बिगड़े हैं, वे अब रोजमर्रा की सुर्खियां हैं। उनसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय छात्र ही हुए हैं। मुद्दा यह है कि जिन देशों में अभी कुछ वर्ष पहले तक भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? विदेशी छात्र उन तमाम देशों के शिक्षा क्षेत्र में आय का बड़ा स्रोत हैं। भारतीय छात्र भी वहां जाकर अपना ही पैसा खर्च करते हैं। इसके बावजूद उनकी एंट्री कठिन बना दी गई है। क्या इसका संबंध उन देशों में भारत की बदली छवि से है? या वहां भारतीयों के व्यवहार ने स्थानीय आवाम एवं सरकारों के कान खड़े किए हैं? भारतवासियों को इन प्रश्नों पर गंभीरता से आत्म-निरीक्षण करना चाहिए।

भारत की सड़कें,प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही का संकटः-विकसित भारत 2047 के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में सड़कों पर गड्ढे, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं। क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सजा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी? -आंखों पर परसेंट का कवर कब उतरेगा?-आम जनता अब समझते जा रही है वैश्विक स्तरपर भारत आज स्वयं को 21वीं सदी की उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, शासन क्षमता, नागरिक सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन का वादा है।लेकिन इसी भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह विडंबना नहीं,बल्कि एक संरचनात्मक विफलता है, इसमें माननीय नेताओं की समय समय पर विपक्ष पर की जा रही टॉंटिंग बाजी 10 से 50 प्रतिशत वाला मामला अधिकारियों कर्मचारियों संबंधित लाइसेंसिंग अथारिटी द्वारा आंख मूंद कर बैठना आंखों पर परसेंट का कवर चढ़ा देना अब आम जनता आप समझते जा रही है जो, भारत की विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।नोएडा में 27 वर्षीय इंजीनियर युवराज मेहता की गड्ढे में गाड़ी फंसने से हुई दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया।सोशल मीडिया पर यह मामला ट्रेंड कर रहा है, क्योंकि यह किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही का परिणाम था।इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या टैक्स देने वाले नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है?क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सजा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी?यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की विफलता का प्रतीक बन गई।अभी दो दिवस पूर्व हमारे गोंदिया राइस सिटी में भी रोड़ों पर हुए गड्ढों से परेशान लोगों ने भीख मांगो एक रैली निकाली जिसमें आम जनता से पैसे लेकर नगर परिषद को देने की बात कही गई ताकि वह गड्ढों को बुझा सके छत्तीसगढ़ की भाटापारासिटी में भी हमारे रिश्तेदार रोड पर पड़े गड्ढे के कारण एक्टिवा से गिर पड़े और करीब एक माह तक अस्पताल में भर्ती रहे बड़ी मुश्किल से बहुत महंगा ट्रीटमेंट करने के बाद उनकी जान बची। साथियों बात अगर हम भारत में सड़कों की खराब स्थिति एक संरचनात्मक संकट इसको समझने की करें तो भारत का सड़क नेटवर्क विश्व में दूसरा सबसे बड़ा है, जिसकी लंबाई 63 लाख किलोमीटर से अधिक है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा, गुणवत्ता और रखरखाव के मामले में भारत वैश्विक सूचकांकों में बेहद नीचे है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत लगातार विश्व में शीर्ष पर बना हुआ है।इनमें एक बड़ा कारण सड़कों की जर्जर स्थिति,गड्ढे,असमान सतह जलभराव और अवैज्ञानिक डिजाइन है।ग्रामीण भारत में स्थिति और भी भयावह है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कें या तो जर्जर हैं या समय पर मरम्मत के अभाव में जानलेवा बन चुकी हैं। बरसात के मौसम में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पुरानी शहरी सड़कों पर नई पाइपलाइन, केबल और सीवेज के लिए की गई खुदाई महीनों तक खुली रहती है, और मरम्मत केवल कागजों में सटीक रूप से पूरी होती है। साथियों बात अगर हम निर्माण मलबा और अंडर- कंस्ट्रक्शन अव्यवस्था कुछ समझने की करें तो,भारत के शहरों में अंडर- कंस्ट्रक्शन मकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का मलबा सड़कों पर पड़ा रहना आम बात हो गई है। नियमों के अनुसार निर्माण स्थल को सुरक्षित करना,चेतावनी संकेत लगाना और मलबा हटाना अनिवार्य है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन होता है। स्थानीय नगर निकाय, पुलिस और विकास प्राधिकरण एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर चुप्पी साध लेते हैं।आखें और मुंह बंद व्यवस्था सड़क दुर्घटनाओं के बाद अक्सर देखा जाता है कि प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय होने में घंटों लगा देती है। एम्बुलेंस की देरी, ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति,और अस्पतालों में इलाज में लापरवाही कई बार मौत को निश्चित बना देती है। यह केवल व्यक्तिगत असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि एक संस्थागत संस्कृति का परिणाम है, जहां जवाबदेही का अभाव है।निर्माण कार्यों की अनुमति देने वाले विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है,लेकिन यही विभाग अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं। सड़क खुदाई की अनुमति देने के बाद उसकी निगरानी नहीं होती कि गड्ढा समय पर भरा गया या नहीं, चेतावनी बोर्ड लगाए गए या नहीं। यह लापरवाही दुर्घटनाओं की श्रृंखला को जन्म देती है, जिसे लेखकीय रूप से प्रशासनिक लापरवाही का साइकिल कहा जा सकता है। साथियों बात अगर हम विकसित भारत 2047 बनाम सड़क सुरक्षा की हकीकत इसको समझने की करें तो यह विकसित भारत 2047 की परिकल्पना में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर एक केंद्रीय स्तंभ है। सरकार ने भारतमाला, गतिक शक्ति, स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल नई सड़कों और एक्सप्रेसवे का निर्माण ही विकास है, या मौजूदा सड़कों की सुरक्षा और रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है?सरकार ने हाल के वर्षों में पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ सड़क निर्माण के लिए बायो-बिटुमेन जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया है, जिसमें कृषि अपशिष्ट और जैविक सामग्री का उपयोग होता है। यह तकनीक सड़कों की उम्र बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और लागत घटाने में सहायक मानी जा रही है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। साथियों बात अगर हम कई मामलों में न्यायपालिकाओं की सख्त टिप्पणीयाँ विशेष रूप सेः बॉम्बे हाईकोर्ट का हस्तक्षेप रेखांकित करने वाली बात है, बॉम्बे हाईकोर्ट सहित कई न्यायालयों ने बार-बार नगर निकायों और राज्य सरकारों की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। अदालतों का स्पष्ट मत है कि गड्ढों और खुले मैनहोल से होने वाली मौतें दुर्घटना नहीं,बल्कि मानव निर्मित आपराधिक लापरवाही हैं।अदालत ने कहा कि जब तक अधिकारियों और ठेकेदारों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा। केवल मुआवजा देना पर्याप्त नहीं है;दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई आवश्यक है। पीआईएल नंबर 71/2013,एक ऐतिहासिक मामला है।13 अक्टूबर 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट की दो सदस्य बेंच न्यायमूर्ति की खंडपीठ ने पीआईएल नंबर 71/2013 पर आदेश सुनाया था। यह जनहित याचिका 2013 में तत्कालीन न्यायमूर्ति के एक पत्र के आधारपर स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेकर दर्ज की गई थी।यह मामला इस बात का उदाहरण है कि समस्या कितनी पुरानी और गंभीर है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्षों की सुनवाई और निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, जो प्रशासन की उदासीनता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। साथियों बात अगर हम इस भारतीय रोडो परगड्ढों की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में,भारत की तुलना और सीख को समझने की करेंतो विकसित देशों में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर भारत की तुलना में कहीं कम है। इसका कारण बेहतर डिजाइन,नियमित रखरखाव, सख्त जवाबदेही और त्वरित आपातकालीन सेवाएं हैं। भारत यदि वैश्विक शक्ति बनना चाहता है, तो उसे केवलआर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा के मानकों में भी वैश्विक स्तर अपनाने होंगे।

भोजशाला विवाद और माँ वाग्देवी का प्रश्नः आस्था, इतिहास और समाधान की तलाश

सचिन दवे

मध्य प्रदेश के धार जिला स्थित भोजशाला केवल पत्थरों से बनी प्राचीन इमारत भारत की उस जीवंत सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जहाँ इतिहास, आस्था, विद्या और राजनीति एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई दिखाई देती हैं। पिछले कई दशकों से भोजशाला विवाद भारतीय समाज के सामने एक ऐसे प्रश्न के रूप में खड़ा है, जो किसी धार्मिक स्थल के अधिकार तक सीमित नहीं होकर हमारी ऐतिहासिक समझ, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की भी गंभीर परीक्षा लेता है। विडंबना यह है कि जहाँ कभी विद्या और ज्ञान की साधना होती थी, वहीं आज हर वर्ष कानून-व्यवस्था, निषेधाज्ञा और पुलिस बल की तैनाती चर्चा का विषय बन जाती है। भोजशाला विवाद यह स्पष्ट करता है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी भारत अपने इतिहास को लेकर कितनी दुविधा और संकोच में जी रहा है। भोजशाला का नाम 11वीं शताब्दी के परमार शासक राजा भोज से जुड़ा माना है। राजा भोज भारतीय इतिहास में विद्या, साहित्य, विज्ञान और कला के महान संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनके शासनकाल में मालवा क्षेत्र शिक्षा और संस्कृत अध्ययन का प्रमुख केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार भोजशाला उसी बौद्धिक परंपरा का प्रतीक थी, जहाँ विद्या की देवी माँ वाग्देवी अर्थात सरस्वती की उपासना होती थी और जहाँ अध्ययन-अध्यापन की समृद्ध परंपरा विकसित हुई। शिलालेख, स्थापत्य शैली और साहित्यिक संदर्भ इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि भोजशाला केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि एक विद्या केंद्र भी रहा है। इस दृष्टि से इसका महत्व किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं रहकर भारतीय सभ्यता की सामूहिक बौद्धिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करता है। इसके विपरीत मुस्लिम समुदाय द्वारा इसे कमाल मौला की मस्जिद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। किंतु इस दावे के समर्थन में ठोस ऐतिहासिक प्रमाणों का अभाव दिखाई देता है। न तो स्थापत्य शैली मस्जिद की पारंपरिक संरचना से मेल खाती है और न ही उपलब्ध ऐतिहासिक स्रोत इस दावे की पुष्टि करते हैं। इसी दोहरी पहचान ने भोजशाला विवाद को जन्म दिया, जो समय के साथ धार्मिक न रहकर सामाजिक और राजनीतिक विवाद में परिवर्तित हो गया। भोजशाला विवाद का एक अत्यंत महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष माँ वाग्देवी की प्राचीन मूर्ति से जुड़ा है। मान्यता है कि राजा भोज ने 1034 ईस्वी में इस मूर्ति की स्थापना कराई थी। यह मूर्ति धार्मिक आस्था का प्रतीक होने के साथ ही मध्ययुगीन मालवा की उत्कृष्ट शिल्पकला की अद्वितीय मिसाल भी थी। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों की जो व्यापक लूट हुई, भोजशाला भी उससे अछूती न रह सकी। 1902 में तत्कालीन वायसराय लार्ड कर्जन के मालवा दौरे के दौरान भोजशाला में स्थापित माँ वाग्देवी की मूर्ति ने उनका ध्यान आकर्षित किया। इसके पश्चात प्रशासनिक आदेश के तहत इस मूर्ति को धार से गुजरात की खंभात खाड़ी के माध्यम से समुद्री मार्ग द्वारा इंग्लैंड भेज दिया गया, जहाँ आज यह लंदन के एक संग्रहालय में सुरक्षित है। स्वतंत्र भारत में इस मूर्ति की वापसी की मांग समय-समय पर उठती रही है। 1950 और 60 के दशकों में स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों ने केंद्र सरकार और ब्रिटिश अधिकारियों से पत्राचार किया। 1962 में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर स्वयं लंदन गए और देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री से माँ वाग्देवी की मूर्ति की वापसी का आग्रह किया। 2011 में डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने भी इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा की। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी यह घोषणा की थी कि सरकार इस मूर्ति को वापस लाने का प्रयास करेगी, किंतु राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस कूटनीतिक प्रयासों के अभाव में अब तक कोई परिणाम सामने नहीं आ सका। यह उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में भारत कई प्राचीन मूर्तियाँ और कलाकृतियाँ विदेशों से वापस लाने में सफल रहा है। भगवान बुद्ध और भगवान शिव की कुछ दुर्लभ प्रतिमाएँ भारत लौट चुकी हैं। इससे स्पष्ट होता है कि यदि सरकार ठान ले और अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रियाओं को गंभीरता से आगे बढ़ाए तो माँ वाग्देवी की मूर्ति की वापसी भी असंभव नहीं है। भोजशाला विवाद कई बार न्यायालयों तक भी पहुँच चुका है। प्रशासन ने दशकों से कानून-व्यवस्था के नाम पर पूजा और सीमित नमाज़ की व्यवस्था लागू कर रखी है। यह व्यवस्था तात्कालिक शांति तो बनाए रखती है किंतु स्थायी समाधान प्रदान नहीं करती। वास्तविक समस्या यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें अब तक इस विषय पर कोई स्पष्ट और अंतिम निर्णय लेने से बचती रही हैं। इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, कानूनी जटिलताएँ और राजनीतिक समीकरणों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 2016 की तरह वर्ष 2026 में भी जब बसंत पंचमी और शुक्रवार एक साथ पड़ रहे हैं तो आम नागरिक के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या भारत अपनी सनातन सांस्कृतिक विरासत की रक्षा कर पाएगा? क्या विद्या की देवी की उपासना को हर वर्ष प्रशासनिक आदेशों और अस्थायी व्यवस्थाओं में बाँध दिया जाएगा या फिर इतिहास और आस्था के साथ न्याय किया जाएगा? ऐतिहासिक तथ्यों और सांस्कृतिक साक्ष्यों के आधार पर यह स्वीकार करना होगा कि भोजशाला का मूल स्वरूप एक हिंदू शैक्षणिक और धार्मिक स्थल का रहा है। स्थायी शांति तभी संभव है जब भोजशाला को पूर्ण रूप से हिंदुओं को सौंपा जाए और माँ वाग्देवी की मूर्ति को भारत वापस लाने के लिए गंभीर और ठोस प्रयास किए जाएँ। अंततः भोजशाला इस बात का प्रतीक है कि भारतीय समाज में धर्म, संस्कृति और इतिहास के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है। यह विवाद आज विश्वास, पहचान और ऐतिहासिक सत्य की व्याख्या का प्रश्न है। यदि भारत को वास्तव में आत्मविश्वासी और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनना है तो उसे ऐसे प्रश्नों से बचना नहीं बल्कि ईमानदारी और साहस के साथ उनका समाधान खोजना चाहिए।

मेष राशि – महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में सफल होंगे आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज बिजनेस में नए कामों को लेकर बनाई योजनाओं पर काम होगा। सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। भूमि तथा वाहन से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों में सुधार आएगा। नौकरी में लक्ष्य व टारगेट को पूरा करने का दबाव बना रहेगा।

वृष राशि– इस राशि के स्टूडेंट अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेंगे आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका स्वाभिमान और हिम्मत आपकी सबसे बड़ी संपत्ति साबित होगी। आपके इसी स्वभाव की वजह से घर तथा बाहर मान-सम्मान बना रहेगा। अनुभवी तथा जिम्मेदार लोगों का मार्गदर्शन आपको और अधिक मजबूत बनाएगा। इस राशि के स्टूडेंट अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेंगे।

मिथुन राशि – सफलता के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज पिछले कुछ गलतियों से सीख लेकर अपनी वर्तमान कार्य प्रणाली में सुधार लाएंगे। इससे आपको अपने कामों को उचित तरीके से करने में सहायता मिलेगी, आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसी नजदीकी रिश्तेदार के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होंगी।

कर्क राशि– आज परिस्थितियों को देखने का नजरिया बदलने की जरूरत है आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यवस्थित दिनचर्या रहने और उसके बेहतर परिणाम मिलने से मन में संतुष्टि का भाव बना रहेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में कुछ समय बीतेगा। किसी जन्मदिन या अन्य पार्टी में जाने का अवसर मिलेगा तथा लोगों से मेल मिलाप होगा।

सिंह राशि– आज वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी व्यवस्थित कार्यप्रणाली के बेहतर परिणाम मिलने वाले हैं, इसलिए खूब मन लगाकर मेहनत करेंगे। राजनीति में आपकी सक्रियता और वर्चस्व बढ़ेगा। साथ ही आप अपनी फिटनेस पर भी समय देंगे। आज वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। किसी मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा करेगी। जिससे मन प्रफुल्लित रहेगा।

कन्या राशि– आज किसी परेशानी से मिलेगी मुक्ति आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अगर घर में रख-रखाव या सुधार संबंधी योजना बन रही है, तो उसमें वास्तु के नियमों का अवश्य प्रयोग करें। इस समय आपकी समस्या हल हो सकती है। पारिवारिक तथा सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व भी रहेगा और लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे।

तुला राशि– रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज बिजनेस में काम करने के तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत और एकाग्रता की जरूरत रहेगी। मुश्किल वक्त में किसी काबिल इंसान की सलाह लेना अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि– आज धार्मिक उन्नति की तरफ आपका ध्यान केंद्रित होगा आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। घर तथा व्यवसाय दोनों जगह उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे तथा व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी समय निकालने में सफल रहेंगे। व्यक्तिगत रिश्ते में घनिष्ठता आएगी। बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद व स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज बिजनेस करने वालों के लिए समय अच्छा है।

धनु राशि– दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में किसी काम को कल पर न टालकर सही समय पर काम शुरू करने की कोशिश करेंगे तो आपको ज्यादा लाभ होगा। आपकी व्यवस्था बनी रहेगी और इनकम भी बढ़ेगी।

मकर राशि– आज परेशानियों का होगा अंत आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज दूसरों से ज्यादा उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। आज आपकी किसी योजना को मूल रूप मिलने वाला है। इसलिए अपने प्रयासों में कमी न आने दे। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय जरूर देंगे।

कुंभ राशि – नौकरी कर रहे लोगों के ऑफिस का वातावरण खुशनुमा रहेगा आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज मार्केटिंग संबंधी काम पूरा करने पर ज्यादा ध्यान देंगे। आज सभी व्यवसायिक काम सुचारू रूप से होते जाएंगे, इसलिए अपनी पूरी मेहनत व ध्यान अपने कामों पर ही केंद्रित रखें।

मीन राशि– आज पारिवारिक गतिविधियों में अपना योगदान रखेंगे। आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज इनकम बढ़ाने की दिशा में चल रही कोशिश सफल होने के योग है। बच्चों द्वारा शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा। साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही किसी समस्या का समाधान निकलेगा।

ऋतुराज बसंत का शुभागमनः प्रकृति के नवश्रृंगार से संस्कृति और साधना तक

उदय कुमार सिंह

ऋतुओं के राजा बसंत का शुभागमन हो गया है। प्रकृति का यह अद्भुत और अनोखा उपहार अपने साथ उल्लास, उमंग और उत्साह का संदेश लेकर आया है। बसंत के आते ही सर्दी का सितम थम गया है, शीत का प्रकोप दूर हो गया है और मौसम सुहावना बन गया है। चारों ओर आनंद और उत्सव का वातावरण दिखाई देने लगा है। कड़ाके की सर्दी और पतझड़ के कारण जिन पेड़ों के पत्ते झड़ गए थे, उनकी नंगी शाखाओं की फुनगियों पर लाल-लाल कोपलें फूट पड़ी हैं। प्रकृति में मानो नया उत्साह छा गया है। पहाड़ों की बर्फ पिघलने लगी है, वन-उपवन की शोभा बढ़ गई है और समस्त वातावरण में चार चांद लग गए हैं। घर-बार, बाग-बगीचे, घाटियां और वादियां फूलों से आच्छादित हो गई हैं। पर्वतीय प्रदेश नाना प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से महक उठे हैं। लाल-गुलाबी, नीले-पीले, बैंगनी और आसमानी रंगों की छटा मन को मोह लेती है। भौंरे मंडराने लगे हैं और रंग-बिरंगे फूलों को देखकर मयूर आनंद से नृत्य करने लगता है।

गांव-कस्बों में बसंत की रौनक- बसंत ऋतु में विशेषकर गांवों और कस्बों में अलग ही उल्लास देखने को मिलता है। खेत-खलिहानों, बाग-बगीचों में गजब की रौनक है। किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। खेतों में सरसों के पीले-पीले फूल खिल गए हैं, गेहूं और जौ की बालियां हिलोरे मार रही हैं और हरी-भरी फसलें लहलहा रही हैं। पेड़ों पर झूले डाल दिए गए हैं। सखी-सहेलियां हर्षोल्लास के साथ गीत गा रही हैं और नृत्य के माध्यम से ग्रामीण जीवन को प्रफुल्लित कर रही हैं। इन गीतों में प्रकृति के प्रति प्रेम, अपनों के प्रति स्नेह, बच्चों के प्रति ममता और प्रियतम को बुलाने का भाव झलकता है। कड़ाके की सर्दी के बाद आए बसंत ने नर-नारी ही नहीं, बल्कि समस्त प्राणी जगत, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं में भी नई उम्मीद, नवीन उमंग और आशा का संचार कर दिया है। शिशिर के घोर संताप से संत्रस्त प्रकृति बसंत के शुभागमन के साथ अपना नूतन श्रृंगार कर लेती है। बसंत ऋतु फाल्गुन में जन्म लेती है, चैत्र में जवान होती है और वैशाख में विश्राम को चली जाती है। आदि और अनंत काल से बसंत मनुष्य को हंसाता-खिलखिलाता आया है और उसे यह संदेश देता है कि दुख और पीड़ा के बाद सुख और चैन का समय अवश्य आता है।

बसंत पंचमीः ज्ञान और नवआरंभ का पर्व- भारतवर्ष में बसंत पंचमी का विशेष महत्व है। भारतीय सनातन संस्कृति में यह हिंदू धर्म का महान और पावन पर्व माना गया है। बसंत पंचमी अपने आप में मनोहारी प्राकृतिक परिवर्तनों को समेटे हुए है। इस दिन जहां ऋतु परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देता है, वहीं धर्मपरायण लोग विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना करते हैं। बसंत पंचमी को देश-विदेश में मां महासरस्वती के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। छात्र-छात्राएं, शिक्षक, विद्वान, लेखक, साहित्यकार और कला जगत से जुड़े लोग इस दिन मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा, अर्चना और उपासना करते हैं। इस दिन मां सरस्वती के साथ-साथ भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण-राधा, भगवान शिव, सूर्यदेव, बसंत स्वरूप कामदेव और रति का भी पूजन किया जाता है। मान्यता है कि कामदेव-रति का पुष्पों और अबीर-गुलाल से पूजन करने से गृहस्थ जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। पीले रंग का इस दिन विशेष महत्व है। पीला रंग ओज, ऊर्जा, सात्विकता और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इसलिए पीले वस्त्र धारण करना, पीले वस्त्रों का दान करना और पीले रंग की मिठाइयां व पकवान ग्रहण करना शुभ माना गया है। बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, इसलिए इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, विद्यारंभ और अन्य मांगलिक कार्य संपन्न किए जाते हैं। कई क्षेत्रों में पतंगबाजी का उत्सव भी बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। मां सरस्वतीः ज्ञान, वाणी और कला की अधिष्ठात्री शास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का जन्म भगवान ब्रह्मा के मुख से हुआ है। वे वाणी की अधिष्ठात्री देवी हैं और वागेश्वरी, वाग्देवी, भारती, ब्राह्मी, शारदा आदि नामों से जानी जाती हैं। हंस पर विराजमान, कुंद के समान उज्ज्वल वर्ण, चंद्रमा के समान मुखमंडल, मंद मुस्कान और मस्तक पर चंद्ररेखा से सुशोभित मां सरस्वती श्वेत कमल पर आसीन हैं। उनके हाथों में पुस्तक, वीणा, अक्षयमाला और अमृतमय घट सुशोभित हैं। मां सरस्वती समस्त विद्याओं की अधिष्ठात्री हैं। उनकी कृपा से ही प्राणी ज्ञान अर्जित करता है। उनका कलात्मक स्पर्श कुरूप को भी सुंदर बना देता है। वे अत्यंत दयालु और उदार हृदय वाली हैं, जिनमें असीम करुणा विद्यमान है। मां सरस्वती का विग्रहः जीवन प्रबंधन का संदेश मां सरस्वती का विग्रह केवल पूजन का विषय नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का गहन संदेश भी देता है। उनके श्वेत वस्त्र यह सिखाते हैं कि हमारा ज्ञान और चरित्र दोनों निर्मल हों। कमलासन यह संदेश देता है कि संसार में रहते हुए भी झूठ, कपट, असंयम और कुसंग से दूर रहना चाहिए। श्रुतिहस्ता में धारण किया गया सद्ग्रंथ यह बताता है कि हमारे हाथों से वही कर्म हों जो सत्य और धर्म के अनुरूप हों। स्फटिक माला मनन और आत्मचिंतन की प्रेरणा देती है। वीणावादिनी मां यह संदेश देती हैं कि जीवन एकांगी न हो, बल्कि अपनी सुप्त योग्यताओं को जागृत कर सफलता के मधुर राग रचे जाएं। हंसवाहिनी मां विवेकशील बुद्धि और सद्गुणों को ग्रहण करने की शिक्षा देती हैं, जबकि निकट स्थित मयूर कला, मधुरता और समभाव का प्रतीक है। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती पूजन बसंत पंचमी मुख्यतः विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों का पर्व है। इस दिन प्रातः स्नान कर बसंती रंग के वस्त्र धारण कर कलश स्थापना के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा या चित्र की विधिवत पूजा की जाती है। पीले पुष्प, अक्षत, कुमकुम, फल, मिठाइयां और दीप-धूप अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धा और भक्ति से की गई पूजा से मां सरस्वती प्रसन्न होकर दुर्विचार और दुर्गुणों का शमन करती हैं तथा सत्य, अहिंसा, क्षमा, करुणा, प्रेम, बुद्धि, विद्या, वाणी और प्रतिभा का वरदान देती हैं। 23 जनवरी को होगी सरस्वती पूजा पंचांग के अनुसार, माघ शुक्ल पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी, गुरुवार के दिन रात में 2 बजकर 29 मिनट से होगी और इसका समापन 23 जनवरी, शुक्रवार को रात में 1 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार, बसंत पंचमी 23 तारीख को मनाई जाएगी और इसी दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाएगी। ऐसा करने से जातक के ज्ञान, कला और बुद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही, माता सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये। अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा-मैं पारी को अंत तक ले जाना चाहती थी

एजेंसी, वडोदरा

महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार नेतृत्व करते हुए नाबाद अर्धशतक जमाया और अपनी टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सात विकेट से जीत दिलाई। बीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जेमिमा की संयमित पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को शुरुआत से ही अच्छी लय मिली। ओपनर लिज़ेल ली और शैफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दी, जिसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी को संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। मारिज़ान काप ने अंत में उनका अच्छा साथ निभाया और दिल्ली ने 19 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के बाद जेमिमा ने ओपनिंग साझेदारी की अहमियत पर कहा, "लिज़ेल और शैफाली एक बेहद खतरनाक ओपनिंग जोड़ी हैं। गेंदबाज़ों को पता होता है कि अगर उन्होंने थोड़ी भी गलती की, तो उसकी सजा मिलेगी। इस विकेट पर पावरप्ले में जिस तरह उन्होंने बल्लेबाज़ी की, वह हमारे लिए बहुत अहम रही। जब गेंद पुरानी हुई तो विकेट धीमा होने लगा, ऐसे में उनकी शुरुआत ने आगे आने वाले बल्लेबाज़ों का काम आसान कर दिया।" अपनी पारी और मैच फिनिश करने को लेकर जेमिमा ने कहा, "पिछले कुछ मैचों में मैंने प्रभावशाली पारियां खेलीं, लेकिन मैं देर से बल्लेबाज़ी के लिए आ रही थी। मुझसे और ज्यादा उम्मीदें थीं और मैं खुद भी पारी को अंत तक खत्म करना चाहती थी। आज मैं खुश हूं कि मैं अंत तक टिक सकी और टीम के लिए जिम्मेदारी निभा सकी।" कप्तानी के शुरुआती अनुभव साझा करते हुए जेमिमा ने कहा, "यह मेरे लिए सीखने का दौर है। मुझे लगा था कि कप्तानी से दबाव बढ़ेगा, लेकिन टीम और सपोर्ट स्टाफ ने वह दबाव काफी कम कर दिया है। हेड कोच जोनाथन बैटी और लीडरशिप ग्रुप ने मेरी काफी मदद की है। कप्तानी में आपको अपने फैसलों पर भरोसा रखना होता है और गलतियों से सीखना भी जरूरी है।" टीम संतुलन और अपनी बल्लेबाज़ी पोज़िशन पर जेमिमा ने कहा, "कप्तान के तौर पर मुझे पहले टीम के बारे में सोचना होता है। मुझे लगा कि लॉरा वोल्वार्ट नंबर तीन पर बेहतर रहेंगी क्योंकि नई गेंद वहां बेहतर आती है। मैं स्पिन के खिलाफ बाद में बल्लेबाज़ी कर सकती हूं। वह मैदान पर भी मेरी काफी मदद करती हैं।" उन्होंने आगे कहा, "ऐसे टूर्नामेंट में सही समय पर फॉर्म में आना जरूरी होता है। हम एक-एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं और अपनी प्रक्रियाओं पर टिके हुए हैं। अगर हम सही चीजें करते रहेंगे, तो नतीजे खुद मिलेंगे।" दिल्ली कैपिटल्स अब महिला प्रीमियर लीग 2026 में अपना अगला मुकाबला 24 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलेगी।

आईपीएल और पीएसएल का अंतर आया सामने

» ऋषभ और श्रेयस से भी कम है कुल टीम का वेतन

एजेंसी, लाहौर

भारत के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान के सुपर लीग (पीएसएल) में कितना अंतर है। ये एक बार फिर सामने आया है। पीएसएल ने 2026 सत्र से पहले खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाया है। इसके बाद भी खिलाड़ियों की कमाई आईपीएल खेलने वाले भारतीय टीम के ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर से भी कम है। पीसीबी ने कहा है कि सैलरी कैप को 1.3 मिलियन (करीब 11.3 करोड़ रुपये) से बढ़ाकर 1.6 मिलियन (करीब 14.5 करोड़ रुपये) प्रति टीम कर दिया गया है। यही वह रकम है जिसे आठों टीमें नीलामी में खर्च कर सकती हैं। कुल मिलाकर आठ टीमों के लिए यह राशि 12.8 मिलियन (करीब 116.48 करोड़ रुपये) होगी। पीएसएल के वेतन बढ़ाने के बाद भी पीएसएल और आईपीएल में खिलाड़ियों की कमाई का अंतिर दिख रहा है। आईपीएल 2025 सत्र के दो सबसे ज्यादा कमाई वाले खिलाड़ी, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर (27 और 26.75 करोड़ रुपये) ही पीएसएल की एक पूरी टीम के पूरे वेतन से अधिक कमाई कर चुके हैं। यहां तक कि एम एस धोनी को 2008 में पहली आईपीएल नीलामी में करीब 6 करोड़ रुपये मिले थे। ये पीएसएल की एक टीम के पूरे दल पर खर्च होने वाली राशि के बराबर है। आईपीए की पहली सत्र में टीमों की की कमाई करीब 20 करोड़ रुपये थी। जो PSL की 11वीं सत्र की तुलना में अधिक है।

लिज़ेल ली पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की खिलाड़ी लिज़ेल ली पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लिज़ेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 11वें ओवर में हुई, जब लिज़ेल ली को अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। गेंद लेग साइड पर थी और फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में ली का संतुलन बिगड़ गया। विकेटकीपर रहिला फिरदौस ने तेजी से स्टंपिंग की। इसके बाद मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर की मदद ली और स्टंप कैमरे समेत विभिन्न एंगल से जांच की गई। रीप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला सुनाया कि जब बेल्स गिरीं, उस समय लिज़ेल ली का बल्ला हवा में था, जिसके चलते उन्हें आउट करार दिया गया। उस समय ली 28 गेंदों पर 46 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी कर रही थीं। आउट दिए जाने के बाद लिज़ेल ली फैसले से काफी नाराज़ नजर आईं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने असंतोष जाहिर किया और निर्णय के बाद भी अपनी नाराज़गी व्यक्त करती रहीं। लीग की मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, लिज़ेल ली ने आचार संहिता के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार कर लिया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के दुरुपयोग से जुड़ा है। लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे कयोंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर बिकवाली का दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और वैश्विक दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एवियशन, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 1.17 प्रतिशत से लेकर 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट लिमिटेड, इंफोसिस और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 1.72 प्रतिशत से लेकर 0.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,693 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,009 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,684 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 385.82 अंक की कमजोरी के साथ 81,794.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक ओपनिंग

लेवल से 480 अंक से अधिक उछल कर 82,282.25 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के दौरान खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन इस सूचकांक की स्थिति में अधिक सुधार नहीं हो सका। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 309.93 अंक लुढ़क कर 81,870.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 91.50 अंक टूट कर 25,141 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही पहले 5 मिनट में ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 135 अंक से अधिक उछल कर हरे निशान में 25,277.75 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी भी लाल निशान में गिर गया। पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारों ने कई बार बाजार को सहारा देने के लिए लिवाली की चाल भी बनाई, लेकिन उनकी ये कोशिश सफल नहीं हो सकी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद निफ्टी 62.85 अंक की गिरावट के साथ 25,169.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,065.71 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,180.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में रोज नए रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी है। आज भी सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज शुरुआती कारोबार में 3,250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,520 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी छलांग है। कीमत में आई तेजी के कारण सोना और चांदी ने आज एक बार फिर नए शिखर पर पहुंच कर कारोबार कर रहे हैं। सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,770 रुपये से लेकर 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,310 रुपये से लेकर 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,20,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,920 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

चेटजीपीटी पर जल्द होगी विज्ञापनों की टेस्टिंग

नई दिल्ली। चेटजीपीटी जल्द ही एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरने वाला है। आने वाले हफ्तों में चेटजीपीटी पर विज्ञापनों की टेस्टिंग शुरू की जाएगी। यह पहली बार होगा जब इस लोकप्रिय एआई चैटबॉट में यूज़र्स को विज्ञापन देखने को मिलेंगे। शुरुआत में यह टेस्ट केवल अमेरिका के यूज़र्स के लिए सीमित रहेगा, जबकि भविष्य में इसे अन्य देशों में भी लागू किया जा सकता है। ओपनएआई के अनुसार, शुरुआती चरण में चेटजीपीटी के फ्री और गो प्लान इस्तेमाल करने वाले यूज़र्स को ही विज्ञापन दिखाए जाएंगे। वहीं प्लस, प्रो, इंटरप्राइस और बिजनेस जैसे पेड सब्सक्रिप्शन प्लान पूरी तरह ऐड-फ्री बने रहेंगे। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि जो यूज़र भुगतान कर रहे हैं, उनके अनुभव में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। ओपनएआई ने यह भी साफ किया है कि विज्ञापनों का चेटजीपीटी के जवाबों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एआई द्वारा दिए जाने वाले उत्तर पूरी तरह स्वतंत्र रहेंगे और किसी भी विज्ञापनदाता या स्पॉन्सर से प्रभावित नहीं होंगे। विज्ञापन चैट के मुख्य जवाबों से अलग दिखाई देंगे और उन पर साफ तौर पर 'एड' या 'स्पॉसोर्ड' का लेबल लगा होगा, ताकि यूज़र आसानी से अंतर समझ सकें। कंपनी ने यूज़र प्राइवेसी को लेकर भी आश्वासन दिया है। ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापनदाताओं के साथ किसी भी तरह की पर्सनल

बातचीत या कन्वर्सेशनल डेटा शेयर नहीं किया जाएगा। विज्ञापनों के लिए केवल सीमित और गैर-व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा यूज़र्स को पर्सनलाइज़्ड विज्ञापन बंद करने और ऐड टारगेटिंग से जुड़ा डेटा क्लियर करने का विकल्प भी मिलेगा। ओपनएआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य चेटजीपीटी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में बदलना नहीं है। यूज़र्स को ऐप में ज्यादा समय तक रोकने के लिए जवाबों को जानबूझकर लंबा या भ्रामक नहीं बनाया जाएगा। फोकस हमेशा सही, उपयोगी और भरोसेमंद जानकारी देने पर रहेगा।

कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया फर्क

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल क्रूड की कीमतों में आये बदलाव से देश भर में पेट्रोल डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गयी हैं जिससे घरेल बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 14 पैसे बढीं हैं जिससे ये 94.88 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल की कीमतों में भी 17 पैसे की बढ़त रही जिससे ये 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 12 पैसे कम हुई हैं जिससे ये 94.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे सस्ता होने के बाद 87.67 रुपये लीटर आ गया जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमतें 20 पैसे बढ़ी जिससे ये 105.73 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर डीजल की कीमतें 19 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 91.96 रुपये लीटर आ गयी हैं कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में गिरावट रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 डॉलर गिरकर 64.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव करीब 0.90 डॉलर बढ़त के साथ 60.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर व कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

बड़ी और प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी की लगातार बढ़ रही मांग

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अब बड़ी और प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए कई प्रमुख ऑटो कंपनियां आने वाले महीनों में भारत में नई 7-सीटर एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं। इन अपकमिंग मॉडल्स में पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ इलेक्ट्रिक पावरट्रेन का विकल्प भी देखने को मिलेगा। कुछ एसयूवी मौजूदा गाड़ियों के अपडेटेड वर्जन होंगी, जबकि कुछ पूरी तरह नए प्लेटफॉर्म और डिजाइन के साथ बाजार में उतरेंगी। फॉक्सवैगन टेरॉन आर लाइन- के जरिए कंपनी प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में एंट्री करने जा रही है, जिसमें दमदार टर्बो पेट्रोल इंजन और ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम मिलने की उम्मीद है। एमजी मोटर अपनी नई एसयूवी मैजेस्टर को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसे ग्लोस्टर के अपग्रेड के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, निसान भी भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नई 7-सीटर एसयूवी और एमपीवी पर काम कर रही है। महिंद्रा अपनी लोकप्रिय स्कॉर्पियो-एन का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की योजना बना रही है, जिसमें नए फीचर्स और टेक्नोलॉजी का अपडेट देखने को मिल सकता है। इसके अलावा रेनॉल्ट भी नई जनरेशन डस्टर के 7-सीटर वर्जन के रूप में बोरियल एसयूवी उतारने की तैयारी में है।

शाहरुख खान की किंग की रिलीज डेट कंफर्म, क्रिसमस 2026 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है फिल्म

शाहरुख खान को आखिरी बार दिसंबर 2024 में रिलीज हुई फिल्म डंकी में देखा गया था. अब सुपरस्टार अपने एक्शन पैक्ड फिल्म किंग से बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं. किंग 2026 में ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन फिर भी इसके लिए फैंस को लंबा इंतजार करना होगा. शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग की रिलीज डेट का खुलासा हो गया है. ये फिल्म रणबीर कपूर की रामायण की रिलीज के डेढ़ महीने बाद थिएटर्स में आएगी. रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी किंग क्रिसमस 2026 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है. अहम बात ये है कि फिलहाल क्रिसमस रिलीज के लिए कोई बड़ी बॉलीवुड फिल्म लाइनअप नहीं है. ऐसे में शाहरुख खान की किंग को बॉक्स ऑफिस पर एकतरफा राज कर सकती है. मेकर्स अगले हफ्ते किंग की रिलीज डेट अनाउंस कर सकते हैं. किंग की रिलीज डेट को लेकर रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है- एसआरके और सिद्धार्थ आनंद अपनी फिल्म की रिलीज के लिए कई ऑप्शन्स पर विचार कर रहे थे, जिनमें से दो सबसे आगे थे, 4 दिसंबर और 25 दिसंबर. सभी ऑप्शन्स पर सोचने के बाद, उन्होंने अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म के लिए क्रिसमस 2026 की रिलीज डेट फाइनल कर ली है. किंग के मेकर्स ने रामायण की वजह से फिल्म को 4 दिसंबर की बजाय क्रिसमस पर रिलीज करने का फैसला लिया है. रिपोर्ट में आगे बताया गया है- एसआरके और सिद्धार्थ आनंद रामायण से दूरी बनाए रखना चाहते हैं, जो ऐतिहासिक कमाई कर सकती है. वो किसी भी तरह से इस दिव्य गाथा की कमाई को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते, इसलिए उन्होंने क्रिसमस 2026 की रिलीज डेट तय की है. इससे रामायण और किंग के बीच 45 दिनों का गैप होगा, जिससे दोनों फिल्मों को वो समय मिल जाता है जिसके वे हकदार हैं. किंग में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान नजर आएंगी. सुहाना किंग के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी. इसके अलावा दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, जयदीप अहलावत, अरशद वारसी और अभय वर्मा जैसे कई स्टार भी किंग का हिस्सा हैं.

दो दीवाने सहर में का नया पोस्टर जारी

मृणाल ठाकुर-सिद्धांत चतुर्वेदी का ससांक और रोशनी होगा नाम

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी फिल्मी पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार है। उनकी फिल्म दो दीवाने सहर में की घोषणा पिछले महीने की गई थी जिसने लोगों को उत्साहित कर दिया था। अब निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मृणाल और सिद्धांत के फिल्म के नामों का खुलासा किया गया है। इस फिल्म का निर्माण संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शन के तहत किया जा रहा है। निर्माताओं ने दो दीवाने सहर में का पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन दिया, ससांक और रोशनी के इश्क से आपको भी इश्क हो जाएगा! पोस्टर में मृणाल और सिद्धांत की एक झलक को एनिमेटेड अंदाज में पेश किया गया है। जहां मृणाल रोशनी नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं, तो वहीं सिद्धांत ससांक का किरदार निभा रहे हैं। दो दीवाने सहर में 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। वैलेंटाइन वीक के आसपास, यह फिल्म प्यार के मौसम को एक प्यारी लव स्टोरी के साथ सेलिब्रेट करेगी. कहानी ऐसी है जैसे कोई पारी झप्पी, सादी, दिल को छू लेने वाली और पूरी तरह से सच्ची. फिल्म की सबसे खास बात इसका अलग और खास संगीत है, जो एक प्यारी धुन है और नए समय की गर्माहट को पुरानी यादों के सुरों के साथ जोड़ता है. दो दीवाने सहर में एक ऐसी लव स्टोरी है जो पुरानी यादों जैसी लगे, फिर भी नई लगे. इसे अगले साल की सबसे प्यारी और दिल को छू लेने वाली रोमांटिक कहानी में से एक माना जा रहा है, जो लंबे समय से सिनेमाघरों में नहीं देखी गई मोहब्बत वापस लाती है. 'दो दीवाने शहर में आगामी 20 फरवरी 2026 को वैलेंटाइन डे के मौके पर बड़े पर्दे पर रिलीज होगी.

बिकिनी पहन पानी में आग लगाती दिखीं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल, हॉटनेस देख फैंस को सर्दी में भी आया पसीना

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल इन दिनों अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक की वजह से चर्चा में हैं. एक्टिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली प्रज्ञा फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने मालदीव्स वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस उन पर दिल हार बैठे हैं. प्रज्ञा इन दिनों मालदीव्स में छुट्टियां बिता रही हैं. नीले समंदर, खूबसूरत मौसम और लग्जूरियस लोकेशन के बीच एक्ट्रेस ने अपने शानदार पलों को कैमरे में कैद किया है. उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं. फैंस लगातार उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. तस्वीरों में एक्ट्रेस लाइम ग्रीन कलर की बिकिनी में नजर आ रही हैं. इस लुक में उनका कॉन्फिडेंस और ग्लैमरस अंदाज साफ झलक रहा है. समुंदर के बीच जहाज पर पोज देती हुईं प्रज्ञा बेहद खूबसूरत लग रही हैं. वहीं एक फोटो में वह पानी के बीच नेट पर लेटी दिखाई दे रहीं हैं, जहां समंदर के नजारे और उनका स्टाइल दोनों फैंस को इंप्रेस कर रहा है. जिसपर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं और वो दीवानें हो रहे हैं. बिकिनी लुक के अलावा प्रज्ञा ने लाइम ग्रीन डीपनेक ड्रेस में भी अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं. ब्लैक सनग्लासेस और स्टाइलिश हेयरडू के साथ उनका ये अंदाज और भी अट्रैक्टिव दिख रहा है. इन फोटोज में प्रज्ञा का कॉन्फिडेंस और एलिगेंस दोनों नजर आ रहा है. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं. किसी ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया तो किसी ने उनके लुक को किलर कहा. प्रज्ञा के कमेंट सेक्शन में दिल और फायर इमोजी की बाढ़ आ रही है. तस्वीरों के अलावा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रज्ञा एक कुक के साथ मुस्कुराते हुए बातचीत कर रही हैं. फैंस को उनका ये क्यूट अंदाज भी काफी पसंद आया. वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रज्ञा जैसवाल साउथ फिल्मों में बड़ा नाम हैं. वह अखंडा और डाकू महाराज जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं.

बॉक्स ऑफिस पर चिरंजीवी की फिल्म मना शंकरा वारा प्रसाद गारू का धमाका, एक हफ्ते में ही 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

टॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी की फिल्म मना शंकरा वारा प्रसाद गारू संक्रांति के त्योहार के दौरान सबसे बड़ी हिट साबित हुई है. अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित ये फैमिली एंटरटेनिंग फिल्म 12 जनवरी को रिलीज होने के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. यहां तक कि इस फिल्म ने द राजा साब और धुरंधर के आगे धुआंधार नोट छाप कर हर किसी को हैरान कर दिया है. चलिए यहां जानते है मना शंकरा वारा प्रसाद गारू ने रिलीज के 7वें दिन यानी संडे को कितनी कमाई की है? मना शंकरा वारा प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है. दरअसल चिरंजीवी की स्टार पावर ने फिल्म को जबरदस्त बढ़ावा दिया है, साथ ही क्रिटिक्स के साथ ही सोशल मीडिया पर भी इस फिल्म को पॉजिटिव रिव्यू मिले हैं जिसके चलते ये फिल्म सात दिनों से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है और तमाम बड़ी फिल्मों के बीच डंके की चोट पर नोट कमा रही है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसने पहले दिन ही 41.6 करोड़ रुपये की कमाई के साथ जबरदस्त शुरुआत की थी. इसके बाग दूसरे दिन, मंगलवार को फिल्म ने 18.75 करोड़ रुपये कमाए और संक्रांति के अवसर पर बुधवार को 19.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. गुरुवार और शुक्रवार को फिल्म ने क्रमशः 22 करोड़ रुपये और 19.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 18.9 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं सैकनिल्क के अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को फिल्म का कलेक्शन 17.50 करोड़ रुपये रहा है. इसी के साथ चिरंजीवी की इस फिल्म का 7 दिनों का कुल कलेक्शन अब इस प्रकार फिल्म का कुल कलेक्शन 157.75 करोड़ रुपये हो गया है। जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन चौंका देने वाला 222.5 करोड़ रुपये हो गया है.

बॉक्स ऑफिस पर हैप्पी पटेल और राहु केतु का बंटाधार, धुरंधर ने फिर जीत ली बाजी

नए साल में बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्मों का आगमन हुआ, जिनसे दर्शकों ने खूब उम्मीदें लगाईं। इसके बावजूद यह फिल्में लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रहीं। आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल रिलीज के बाद से निराशाजनक कमाई कर रही है। दूसरी ओर, पुलकित सम्राट की राहु केतु भी बॉक्स ऑफिस पर बेदम रही। उधर रणवीर सिंह की धुरंधर ने रिलीज के 45वें दिन भी इन फिल्मों को चारों खाने चित कर दिया है। सैकनिल्क के मुताबिक, वीर दास अभिनीत हैप्पी पटेल ने 1.25 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली। फिर दूसरे दिन 1.6 करोड़ और तीसरे दिन 1.50 करोड़ रुपये कमाए। 3 दिनों में फिल्म ने 4.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। उधर, पुलकित और वरुण शर्मा की राहु केतु बॉक्स ऑफिस की दशा बदलने से चूक गई। इसने पहले दिन 1 करोड़, दूसरे दिन 1.65 करोड़ और तीसरे दिन 1.75 करोड़ रुपये कमाए। अब तक फिल्म का कारोबार 4.40 करोड़ रुपये हुआ है। धुरंधर 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी, जिसका दबदबा बॉक्स ऑफिस पर अब तक कायम है। लोगों में फिल्म के प्रति इस कदर दीवानगी है कि इसने 45वें दिन 3.75 करोड़ कमाते हुए कुल 825.10 करोड़ का शानदार कारोबार कर लिया है। दूसरी ओर, प्रभास की द राजा साब भी इसके आगे घुटने टेकते दिखी है। 10वें दिन यानी, रविवार को इसने महज 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके बाद फिल्म का कुल कारोबार 139.25 करोड़ रुपये हुआ है।

'स्पिरिट' की रिलीज डेट का ऐलान

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'स्पिरिट' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। अब मेकर्स ने आखिरकार फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर यह फिल्म 5 मार्च 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में प्रभास और तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आएंगे, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

दीपिका के बाद तृप्ति की एंट्री- शुरुआत में स्पिरिट में दीपिका पादुकोण को कास्ट किया गया था, लेकिन मेकर्स के साथ मतभेद के चलते उन्होंने यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म में साइन किया गया। तृप्ति की एंट्री के बाद से फिल्म को लेकर फैंस के बीच चर्चा और ज्यादा तेज हो गई है।

पहले पोस्टर ने मचाया था बवाल- नए साल के मौके पर मेकर्स ने 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर रिलीज किया था, जिसने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी थी। पोस्टर में प्रभास जख्मी हालत में नजर आए थे, जिनके शरीर पर कई बैंडेज और गहरे घाव दिख रहे थे। वहीं तृप्ति डिमरी प्रभास के मुंह में लगी सिगरेट जलाती दिखाई दी थीं। इसी पोस्टर के बाद से फैंस फिल्म की रिलीज डेट जानने के लिए बेसब्र थे।

300 करोड़ का बजट, 100 करोड़ की ओपनिंग का दावा- 'स्पिरिट' का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा खुद कर रहे हैं, जबकि फिल्म को भूषण कुमार, प्रणय रेड्डी वांगा, कृष्ण कुमार और प्रभाकर रेड्डी वांगा प्रोड्यूस कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया था कि फिल्म का बजट करीब 300 करोड़ रुपये है। साथ ही उन्होंने दावा किया था कि 'स्पिरिट' रिलीज के पहले दिन 100 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है।

खास रहा मानुषी छिल्लर के साथ साल 2016, ताजा की 10 साल पुरानी यादें

साल 2026 के शुरू होते ही सोशल मीडिया पर दस साल पुरानी फोटो और यादों को शेयर करने का ट्रेंड चल रहा है। बॉलीवुड सेलेब्स 2016 की खट्टी-मीठी यादों को शेयर कर रहे हैं। अब फेमिना मिस इंडिया और फिर मिस वर्ल्ड रही मानुषी छिल्लर ने साल 2016 की यादों से पर्दा उठाया है और कई मजेदार यादों को शेयर किया है। मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर पुरानी मॉडलिंग की तस्वीरें और एमबीबीएस की छात्रा के रूप में कुछ फोटोज पोस्ट की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक साल मैंने हैना मोंटाना की तरह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में मिस इंडिया द्वारा चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट के बीच तालमेल बिठाने की कोशिश की। क्लास के बाद एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, फिर अपना पहला कैंपेन बुक किया और फिर बाकी के कैंपेन मिलते चले गए। उन्होंने लिखा, एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री मेरे जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब है। मेरी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन मैं वो नहीं थी। फिर मिस इंडिया के लिए एक बार के लिए इंस्टाग्राम जॉइन किया, और आज एक दशक बाद हम यहां हैं। अभिनेत्री के कैप्शन से साफ है कि वाकई उन्होंने प्रसिद्ध सीरीज हैना मोंटाना की तरह दोहरी जिंदगी जी, लेकिन जीने का तरीका शानदार था। अभिनेत्री मॉडलिंग के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई भी कर रही थी। एमबीबीएस की पढ़ाई ही अपने आप में मुश्किल है, और ऐसे में मिस वर्ल्ड जैसे बड़े सपने के लिए भी तैयारी करना अपने आप में एक बड़ा टास्क है। फिल्म पृथ्वीराज से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मानुषी ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता और फिर इसी साल उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब भी अपने नाम किया।

Nitin Nabin takes charge as BJP president

What's at stake for PM Modi's 'boss' in party

New Delhi,Agency: Nitin Nabin, who formally took charge as the national president of the Bharatiya Janata Party today, has his task cut out for him. His immediate challenge are the assembly elections in Assam, West Bengal, Kerala, Tamil Nadu and Puducherry.

The BJP has a lot at stake in this round of elections as it defends its government in Assam and Puducherry and goes all-out to wrest power from Mamata Banerjee's Trinamool Congress in West Bengal. In Tamil Nadu and Kerala, the BJP is trying hard to expand its base.

2027 will be another busy year electorally for the BJP president as seven states, including Uttar Pradesh, will

vote to elect new assemblies. The other six are: Gujarat, Goa, Uttarakhand, Punjab, Himachal and Manipur.

Chhattisgarh, a state which played a key role in giving prominence to Nitin Nabin, will vote in 2028 along with eight other states - Madhya Pradesh, Rajasthan, Telangana, Karnataka, Mizoram, Nagaland, Tripura and Meghalaya. Nitin Nabin was the party in charge in Chhattisgarh in the 2022 assembly elections and the 2024 Lok Sabha elections.

And finally, 2029 will see the BJP under Nitin Nabin go all out for a record fourth consecutive victory in the general elections.

The five-time Bihar MLA, who is widely recognised for his organisational acumen and administrative experience, will play a key role in anchoring the BJP's election efforts.

More than the opposition parties, his toughest competition will come from his predecessors in the party who have led the party to great electoral successes since 2014.

With coalitions becoming an integral part of today's politics, Nitin Nabin will also have to play an important role in working with the party's regional allies in different states.

Monkey pox strain links Kerala cases to foreign travel: Study

Pune,Agency: A first-of-its-kind genetic study of a newer and more stubborn Mpox variant detected in Kerala has linked those cases to international travel and reported signs of continued human-to-human transmission.

The study of Mpox Clade Ib, which has been driving outbreaks in parts of Africa and has since showed up in several countries outside the continent, showed that it is prone to spreading faster and wider than older variants of the virus, necessitating enhanced surveillance. The study, led by researchers from Pune's ICMR-National Institute of Virology and teams from Viral Research and Diagnostic Laboratories across India, focused on 10 lab-confirmed cases of Mpox Clade Ib in Kerala between Sept 2024 and March 2025. The findings, published in the journal Virology, indicate active viral evolution with implications for disease surveillance and public health preparedness. "The study confirmed the Mpox virus is indeed mutating, as we found a distinctive mutational pattern that signals sustained human-to-human transmission," a researcher said. Scientists found the mutation pattern stronger in Clade Ib than in older forms of the virus, suggesting it continues to adapt while circulating.

No hassle over 'logical discrepancies'

CM Mamata backs new SC directives on SIR; urges officials to ease voter hearings

New Delhi,Agency: West Bengal chief minister Mamata Banerjee on Tuesday personally addressed concerns over the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls, urging district magistrates to ensure that voters face no inconvenience over "logical discrepancies."

Banerjee made the remarks during an unexpected meeting with district magistrates at the state secretariat, Nabanna, which was chaired by chief secretary Nandini Chakraborty.

"The CM made it clear that all hearings related to SIR must be conducted strictly in accordance with the apex court's directives. She specifically instructed officials to ensure that people are not put to inconvenience under the pretext of logical discrepancies," a senior official said.

On the difficulties faced by voters during SIR hearings, the CM called for

a humanitarian approach. "She underlined that documents declared valid by the Supreme Court must be accepted during hearings without exception. District magistrates were also instructed to ensure that receipts are issued after documents are submitted," the official added.

Banerjee also stressed that alternative arrangements should be made for voters unable to attend hearings on the designated dates. She said that while the Election Commission's work must continue, the state's development programmes should not be disrupted "under any circumstance."

The Supreme Court had on Monday directed the Election Commission to display the names of those on the 'logical discrepancies' list at gram panchayat bhavans and block offices, where documents and objections can also be submitted. The apex court also granted electors an additional 10 days to submit documents to confirm their inclusion in the state electoral roll. The latest directions have brought relief to several voters in Kolkata who were summoned for hearings after discrepancies were found in their voter records.

Education Leader Swadesh Kumar Singh Meets Nitin Gadkari

DB Reporter,Greater Noida: Swadesh Kumar Singh, State President of the Technical Wing of the Uttar Pradesh Rashtriya Shaikshik Mahasangh and Chief Executive Officer (CEO) of GNIOT Institute of Management Studies, Knowledge Park, Greater Noida, paid a formal courtesy visit to Union Minister for Road Transport and Highways, Nitin Gadkari, at his residence.

During the meeting, both leaders held an in-depth and meaningful discussion on contemporary issues related to education and technology. Key topics included innovation in higher education, skill development, industry-academia collaboration, research-oriented learning, and technological advancement.

Swadesh Kumar Singh described the meeting as highly inspiring and memorable. He stated that the Union Minister's visionary outlook, simplicity, and unwavering commitment to nation-building serve as a strong source of inspiration for the education sector.

Union Minister Nitin Gadkari emphasized the need to strengthen quality education, practical knowledge, skill-based learning, and technological integration. He also appreciated the efforts being made by educational institutions in this direction and stressed the importance of continuous innovation to meet future challenges.

The courtesy meeting is being viewed as a significant step toward promoting positive initiatives in education and technology, strengthening institutional-industry collaboration, and shaping future opportunities in the academic landscape.

'Committed contempt': SC criticises Maneka Gandhi on remarks on stray dogs order; and makes a 'Kasab' reference

New Delhi,Agency: The Supreme Court on Tuesday expressed displeasure over former Union minister Maneka Gandhi's criticism of the apex court's order in the stray dog case. Though the court said that the remarks qualified as "contempt", it had decided not to go ahead with the charges "due to its magnanimity."

"You said the court should be circumspect in its remark but have you asked your client what kind of remarks she has made? Have you heard her podcast? She has made all kinds of remarks against everybody without even thinking. Have you seen her body language?" the bench said.

The bench comprising Justices Vikram Nath, Sandeep Mehta and NV Anjaria went on remark that "Ajmal Kasab did not commit contempt". This came when senior advocate Raju Ramachandran,

appearing for Maneka, said that he had also appeared for Kasab.

"Ajmal Kasab did not commit contempt of court but your client has," Justice Nath remarked.

The top court further questioned the BJP leader what "budgetary allocation" she had helped in getting for solving stray dogs problem.

The Supreme Court, earlier this month, reviewed the stray dog issue in Delhi-NCR after a rise in dog bite cases. The judges said public safety must come first, especially in places like schools, hospitals, and railway stations.

Vande Bharat Sleeper littered hours after inaugural run; video goes viral

New Delhi,Agency: Indian Railways' first Vande Bharat sleeper train attracted widespread attention for its modern features and promise of faster overnight travel. However, Indian tourists were quick to prove a lack of civic sense, as a video showing litter on the newly inaugurated train emerged.

The high-tech Vande Bharat Sleeper, connecting Howrah and Guwahati, was flagged off on Saturday. A passenger-recorded video from Malda shows plastic packets and spoons scattered across one of the coaches.

Sharing the video, X handle @ Indianinfoguide wrote, "People litter on vande bharat Sleeper train within hours of its inaugural run. Just see the civic sense."

Several social media users criticised the commuters for their behaviour. One commented, "honestly, this was an expected behaviour from the citizens of India."

Another added, "India doesn't

need enemies.

We sabotage ourselves just fine. From breaking rules to trashing infrastructure, from apathy to entitlement, we do more damage internally than any external force could. The real national security threat isn't always at the border.

It's our collective indifference to the country we live in."

Some users were more casual, with one writing, "Expected !! What's new here...Wait for orange gutka stamps."

According to the Ministry of Railways, the first commercial run of the Vande Bharat Sleeper between Kamakhya and Howrah saw all tickets sell out within hours of bookings opening.

The train's launch followed the flagging off of India's first Vande Bharat Sleeper by Prime Minister Narendra Modi from Malda town in West Bengal on January 17. The service aims to make long-distance overnight travel faster and more comfortable while improving connectivity between eastern India and the Northeast.

The semi-high-speed, fully air-conditioned train will operate six days a week, except Wednesdays from Kamakhya and Thursdays from Howrah. It will complete the Howrah–Kamakhya journey in about 14 hours, making it the fastest train on the route. Key stops include Malda Town, New Jalpaiguri, New Cooch Behar, and New Alipurduar.

The service is expected to significantly benefit passengers travelling between West Bengal and Assam, particularly those undertaking overnight journeys.

J&K: IED detected on Srinagar-Baramulla highway; destroyed

Srinagar,Agency: Days ahead of Republic Day, security forces Tuesday detected an Improvised Explosive Device (IED) on Srinagar-Baramulla national highway, which was later defused.

A senior Sashastra Seema Bal official said SSB personnel responsible for road opening party duties in Tapper Pattan area detected the explosive during a routine anti-sabotage check. The area was immediately cordoned off, and traffic on the highway was halted. The object was examined using a deep-search metal detector, which confirmed that it was an IED.

The official said a bomb disposal squad was called in and the device was destroyed in a controlled explosion. Traffic was later restored on the highway, which connects the north Kashmir districts of Baramulla and Kupwara with Srinagar.

Meanwhile, J&K DGP Nalin Prabhat Tuesday chaired a security review meeting in north Kashmir's Ganderbal district to assess the prevailing security scenario and operational preparedness. The meeting was attended by senior police officials.

"During the meeting, the DGP took a detailed review of the law and order management, counter-terrorism preparedness, crime control measures, and security arrangements for Republic Day 2026," a police spokesperson said.

"The DGP stressed heightened alertness, foolproof security planning, intensified area domination, and robust intelligence-based operations to ensure peaceful and incident-free celebrations. He also issued clear directions to deal firmly and decisively with anti-national elements who pose a threat to public safety, peace, and tranquility," the spokesperson added.

Government advises kin of Indian officials in Bangladesh to return

New Delhi,Agency: Amidst the threat of violence against Indian establishments in Bangladesh, the Indian govt has advised the families of Indian diplomats and officials in the country to return to India. "Given the security situation, as a precautionary measure, we have advised the dependents of mission and post officials to return to India. The mission and all posts in Bangladesh continue to remain open and operational," said an official source, adding that the Indian mission in the country continues to work at full strength. According to sources, the decision was taken in the light of recent anti-India protests that threatened to get out of hand. "It's for the time being and will be reviewed later," said an official on condition of anonymity. In India's neighbourhood, Afghanistan remains the only non-family posting for Indian officials. While diplomats in Pakistan are allowed to take their families along, they generally avoid it because the govt had advised them after the Peshawar school attack to not send their children to local schools.